राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com ) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार , 28 मई 2026

वर्ष 14, अंक 49, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

कसमंडी कला में महाराजा कंसा पासी के किले पर हनुमान चालीसा पाठ से गर्माया माहौल.....03

अब्राहम समझौते पर बुरे फंसा पाकिस्तान.....04

# आधार QR से तेज होगी जमानत पर कैदियों की रिहाई, दिल्ली हाई कोर्ट ने दिया बड़ा आदेश

**» दिल्ली हाई कोर्ट ने जमानत पर रिहा होने वाले कैदियों की जल्द रिहाई के लिए बड़ा कदम उठाया है. अब राजधानी की सभी जेलों में जमानतदारों के सत्यापन के लिए आधार क्त कोड वेरिफिकेशन एप्लीकेशन का उपयोग अनिवार्य होगा. यह आदेश जमानत मिलने के बावजूद कैदियों की रिहाई में होने वाली 50 दिनों तक की देरी को खत्म करेगा।**

दिल्ली हाई कोर्ट ने जमानत पाने वाले कैदियों की जल्द रिहाई के लिए बड़ा कदम उठाया है. हाल ही में कोर्ट ने राजधानी के सभी जेल सुपरिटेंडेंट को जमानत पाने वाले कैदियों की रिहाई में तेजी लाने के लिए आधार क्त्र कोड वेरिफ़िकेशन एप्लीकेशन का इस्तेमाल करने का आदेश दिया है.जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और अमित महाजन की एक डिवीजन बेंच ने 22 मई को यह आदेश दिया. कोर्ट ने दोषियों और अंडरट्रायल कैदियों को ज़मानत मिलने के बाद रिहा करने में बार-बार होने वाली देरी, कभी-कभी 50 दिनों से भी ज़्यादा की देरी को देखते हुए यह आदेश दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि जमानतदारों की पहचान और क्रेडेंशियल्स को वेरिफ़ाई करने में बहुत समय लगता है. जमानतदार तीसरा पक्ष होता है. आमतौर पर कोई दोस्त या रिश्तेदार, जो कोर्ट को गारंटी देता है कि आरोपी सभी तय सुनवाई में पेश होगा.इसलिए देरी से बचने के लिए कोर्ट ने आधार बेस्ड वेरिफ़िकेशन ऐप्स के इस्तेमाल का सुझाव दिया।

**हाई कोर्ट ने क्या-क्या कहा?**

हाई कोर्ट ने आदेश दिया है कि आगे से जमानत आदेशों के संबंध में जमानतदारों के सत्यापन और औपचारिकताओं को पूरा करने में तेज़ी लाने के लिए, दिल्ली भर के सभी जेल अधीक्षक ये कदम उठाएंगे. जमानतों और संबंधित क्रेडेंशियल्स का सत्यापन उनके आधार कार्ड पर सुरक्षित क्त्र कोड को स्कैन करके निम्नलिखित एप्लिकेशन के माध्यम से किया जा सकता है-

आधार क्यूआर स्कैनर ऐप
एम-आधार ऐप (सी) आधार ऐप

कोर्ट ने कहा कि इन आवेदनों से विवरण मिलने के बाद अगर आगे सत्यापन की जरूरत है तो इसे भी शीघ्रता से किया जाएगा. बैंक द्वारा जारी किसी भी स्वष्ठ या किसी अन्य मौद्रिक साधन के सत्यापन के उद्देश्य से जेल अधीक्षक इसे ईमेल के माध्यम से करना जारी रखेंगे और संबंधित बैंक/वित्तीय संस्थान उसी का तुरंत जवाब देंगे. अगर जरूरत हुई तो जेल अधीक्षक भी बैंकों को इस आदेश से अवगत कराने के लिए स्वतंत्र हैं, जब भी वे जमानतदार के सत्यापन के उद्देश्य से किसी स्वष्ठ या मौद्रिक साधन के सत्यापन की मांग कर रहे हों।

**रिहाई में लगने वाला औसत समय?**

दरअसल, दिल्ली हाई कोर्ट ने एक कैदी के जमानत दिए जाने के बावजूद एक सप्ताह से ज्यादा समय तक हिरासत में रहने के बाद शुरू किए गए एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई करते हुए ये निर्देश पारित किए, क्योंकि जेल अधीक्षक ने सत्यापन की औपचारिकताएं पूरी नहीं की थीं. कोर्ट के सामने पेश आंकड़ों से पता चला है कि 1 फरवरी से 15 फरवरी, 2026 के बीच जमानत आदेशों के बाद विचाराधीन कैदियों और दोषियों को रिहा करने में लगने वाला औसत समय 5 से 6 दिन था।

कुछ मामलों में, अंतर-राज्यीय सत्यापन और जमानत के रूप में पेश वित्तीय साधनों की जांच के कारण देरी 33 या 56 दिनों तक बढ़ गई. सुनवाई के दौरान भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (IDAI ) के अधिकारियों ने कोर्ट को सूचित किया कि विजिटर्स के वैरिफिकेशन के लिए देश भर की जेलों में आधार सत्यापन तकनीक का इस्तेमाल पहले से ही किया जा रहा है। उन्होंने QR कोड स्कैनिंग के माध्यम से आधार क्रेडेंशियल्स को तुरंत सत्यापित करने में सक्षम मोबाइल एप्लिकेशन का भी प्रदर्शन किया. इसी के मद्देनजर कोर्ट ने IDAI को एक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया, जिसमें यह बताया गया हो कि कई हाई कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए देश भर की जेलों और ट्रायल कोर्ट में आधार सत्यापन उपायों को कैसे लागू किया जा रहा है।

# गन्ना और प्याज किसानों को जल्द मिलेगी बड़ी राहत, महाराष्ट्र की मांगों पर केंद्र सहमत

**» महाराष्ट्र के गन्ना और प्याज उत्पादकों के लिए केंद्र सरकार ने सकारात्मक रुख अपनाया है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की बैठक में चीनी एमएसपी बढ़ाने, इथेनॉल कोटा बढ़ाने, प्याज की सीधी खरीद और 10 लाख टन तक खरीदारी की सहमति बनी. प्याज बीज निर्यात पर सरचार्ज और मशीनीकृत ग्रेडिंग से किसानों को न्याय मिलेगा. हापूस आम के बीमा नियमों पर भी समाधान का आश्वासन मिला है।**

महाराष्ट्र के गन्ना और प्याज उत्पादन करने वाले किसानों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर केंद्र सरकार ने सकारात्मक रुख अपनाया है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह के साथ हुई विस्तृत बैठक में किसानों और सहकारी क्षेत्र की कई प्रमुख मांगों पर सहमति बनी है और जल्द ही केंद्र सरकार अहम निर्णय ले सकती है। बैठक के बाद महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि बैठक में चीनी उद्योग से जुड़े मुद्दों पर विशेष चर्चा हुई. केंद्र सरकार ने चीनी की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने की आवश्यकता को माना। इसके अलावा अगले दो महीनों में इथेनॉल कोटा बढ़ाने पर निर्णय लेने का आश्वासन भी दिया गया है. चीनी मिलों के कर्ज पुनर्गठन और ब्याज अनुदान (इंटरेस्ट सबवेंशन) के भुगतान पर भी सकारात्मक सहमति बनी है।

**चीनी उद्योग और गन्ना किसानों के लिए केंद्र के बड़े फैसले**

केंद्र सरकार के साथ बैठक में सूबे के प्याज उत्पादक किसानों के मुद्दों पर भी अहम चर्चा हुई. आज की बैठक में नाफेड और एनसीसीएफ द्वारा प्याज की खरीद सीधे किसानों से किए जाने की मांग को मंजूरी मिल गई है.

अभी तक व्यापारी स्तर पर होने वाली खरीद के बजाय अब किसानों से सीधी खरीद की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा 2 लाख टन की बजाय 10 लाख टन प्याज खरीदने के प्रस्ताव पर भी सकारात्मक चर्चा हुई. प्याज बीजों के बड़े पैमाने पर निर्यात के कारण घरेलू बाजार प्रभावित हो रहा है, इसलिए प्याज बीज निर्यात पर भारी एक्सपोर्ट सरचार्ज लगाने की मांग भी केंद्र ने स्वीकार की है। बैठक के बाद महाराष्ट्र सरकार की तरफ से बताया गया कि हाल ही में प्याज खरीद मूल्य बढ़ाकर 15.80 रुपये प्रति किलो किया गया है और इसे आगे बढ़ाने पर भी विचार किया जा रहा है. साथ ही केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया कि प्याज के निर्यात पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

**ग्रेडिंग में पारदर्शिता और हापूस आम के बीमा पर चर्चा**

किसानों की यह शिकायत रहती थी कि नाफेड और एनसीसीएफ में ग्रेडिंग के नाम पर माल को खराब गुणवत्ता का बताकर खरीद से इनकार किया जाता है. अब मशीनों के जरिए ग्रेडिंग की जाएगी, जिससे किसानों को न्याय मिलेगा। बैठक में हापूस आम उत्पादकों की समस्याओं पर भी चर्चा हुई. महाराष्ट्र सरकार ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को ज्ञापन सौंपते हुए बीमा कंपनियों द्वारा लगाए गए कठिन नियमों में बदलाव की मांग की. इस पर केंद्रीय मंत्री ने बीमा कंपनियों के साथ बैठक कर समाधान निकालने का आश्वासन दिया है।

## संक्षिप्त ख़बरें

### सार्वजनिक शौचालय के पास कूड़े का अंबार, लोगों में नाराजगी

**अंबेडकर नगर!** कटेहरी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को लेकर लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। क्षेत्र स्थित रामदेव जनता इंटर कॉलेज के बगल बने सार्वजनिक शौचालय के पास पिछले करीब 25 दिनों से कूड़े का बड़ा ढेर जमा है। लंबे समय से कचरा न उठाए जाने के कारण आसपास गंदगी फैल गई है और स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शौचालय के निकट लगातार कूड़ा डंप किया जा रहा है, लेकिन उसकी सफाई की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। तेज धूप और भीषण गर्मी के चलते कूड़े से उठ रही दुर्गंध ने लोगों का वहां से गुजरना तक मुश्किल कर दिया है। आसपास रहने वाले लोगों के साथ-साथ विद्यालय आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। लोगों ने बताया कि कई बार जिम्मेदार अधिकारियों से सफाई कराने की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। क्षेत्रवासियों ने जल्द से जल्द कूड़ा हटवाकर नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की है, ताकि गंदगी और संभावित बीमारियों से बचा जा सके।

### पंचायत भवन में डिजिटल लाइब्रेरी का हुआ शुभारंभ, खुशी

**लालगंज, प्रतापगढ़।** ग्राम पंचायत भवन में मंगलवार को डिजिटल लाइब्रेरी का समारोहपूर्वक शुभारंभ हुआ। लालगंज के तारापुर में ब्लाक प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह पंकज ने डिजिटल लाइब्रेरी का समारोहपूर्वक शुभारंभ किया। कार्यक्रम के संयोजक ग्राम प्रधान विमलेश सिंह ने योजना के उददेश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्रामीण प्रतिभाओं को ज्ञानार्जन के क्षेत्र में अवसर उपलब्ध कराया जाना प्राथमिकता है। मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख इं0 अमित प्रताप सिंह पंकज ने कहा कि ज्ञानार्जन के क्षेत्र में ग्रामीण प्रतिभाएं हर पटल पर सफलता का इतिहास रच रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता एडीओ पंचायत विमलेश मिश्र व संचालन सचिव अक्षय प्रताप सिंह ने किया। इस मौके पर प्रीतेन्द्र ओझा, उधम सिंह, गंगा प्रसाद शुक्ला, नागेन्द्र वर्मा, प्रियांशु शुक्ला, सुनील वर्मा, धनंजय प्रताप, शिवमूरत ओझा आदि रहे।

## अटेंडेंस की वजह से छात्र को एग्जाम में बैठने से रोका... सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

**» सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगाई है, जिसमें कहा गया था कि कानून के छात्रों को केवल अपर्याप्त उपस्थिति के आधार पर परीक्षा में बैठने से नहीं रोका जा सकता. बीसीआई की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के निर्देशों को चुनौती देते हुए नोटिस जारी किया. यह फैसला कानूनी शिक्षा में उपस्थिति के महत्व पर बहस को फिर से सामने ला रहा है**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने आज दिल्ली हाईकोर्ट के पिछले साल पारित उस निर्देश पर रोक लगा दी, जिसमें कहा गया था कि कानून के छात्रों को केवल अपर्याप्त उपस्थिति के आधार पर परीक्षा में बैठने से नहीं रोका जा सकता. साथ ही न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) द्वारा दायर याचिका पर नोटिस जारी करते हुए यह आदेश पारित किया था. याचिका में कानून के छात्रों के लिए अनिवार्य उपस्थिति संबंधी दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों को चुनौती दी गई थी. जिसमें सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश दिया कि 21 जुलाई तक जवाब दाखिल करें, नोटिस जारी करें. इस बीच विवादित फैसले के पैरा 249 का प्रभाव और संचालन स्थगित रहेगा

**क्या था मामला?**

हाईकोर्ट ने ये आदेश 2016 के एक दुखद मामले की सुनवाई के दौरान दिया था. इस मामले में एमिटी यूनिवर्सिटी के एक छात्र की आत्महत्या का जिक्र था. बताया गया था कि कम उपस्थिति के कारण छात्र को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं मिली थी. जिससे बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 2016 में इस मामले को संज्ञान में लिया और मार्च 2017 में इसे दिल्ली हाईकोर्ट को ट्रांसफर कर दिया था

**हाईकोर्ट ने क्या कहा था?**

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट की बेंच ने कहा कि कानूनी शिक्षा में व्यापक और व्यावहारिक सोच अपनाना जरूरी है. अदालत ने माना कि पढ़ाई सिर्फ रटने या केवल कक्षा तक सीमित नहीं होनी चाहिए. कानून की पढ़ाई में उसे समझना, व्यवहार

में लागू करना और सही तरीके से पेश करना भी उतना ही जरूरी है. बेंच ने सिर्फ उपस्थिति के आधार पर बनाए गए सख्त नियमों पर भी सवाल उठाए थे. कोर्ट ने कहा कि अच्छी शिक्षा का मतलब केवल कक्षा में मौजूद रहना नहीं है अदालत ने कहा कि मूट कोर्ट, सेमिनार, मॉक पार्लियामेंट, वाद-विवाद और दूसरी कानूनी गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी भी पढ़ाई का अहम हिस्सा है. इसलिए इन गतिविधियों के लिए छात्रों को अकादमिक क्रेडिट दिया जाना चाहिए. कोर्ट ने ये भी कहा कि अनिवार्य उपस्थिति के कठोर नियम कई बार छात्रों की रचनात्मकता और स्वतंत्र सोच पर असर डालते हैं, खासकर तब जब उन्हें कक्षा से अपेक्षित सीख नहीं मिल रही हो

## चकबंदी के बाद जमीन पर कब्जे का आरोप

**पीड़िता ने जिलाधिकारी से लगाई गुहार**

**ललितपुर।** सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बानपुर निवासी एक व्यक्ति ने अपनी जमीन पर अवैध कब्जे और जान से मारने की धमकियों का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाई है। ग्राम बानपुर निवासी रामस्वरूप पुत्र गरीबा ने जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि गांव में स्थित उसकी जमीन की चकबंदी लेखपाल एवं कानूनगो द्वारा की गई थी। आरोप है कि चकबंदी के बाद उसकी जमीन के हिस्से पर गांव के कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया। पीड़ित के अनुसार जब उसने कब्जा हटाने की बात कही तो आरोपियों द्वारा उसे और उसके परिवार के साथ अभद्रता की गई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है, जिससे परिवार दहशत में है। रामस्वरूप ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर कब्जा हटवाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है। शिकायत पत्र के साथ पूर्व में दिए गए प्रार्थना पत्र और चकबंदी संबंधी दस्तावेजों की प्रतियां भी संलग्न की गई हैं।

# फर्जी कॉलेज की शिकायत से मचा हड़कंप, जांच की मांग

- **डीएमएलटी छात्र ने जिला विद्यालय निरीक्षक को सौंपा ज्ञापन**
- **दस्तावेजों की सत्यता पर उठाए सवाल**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**ललितपुर।** शिक्षा के नाम पर कथित फर्जीवाड़े का मामला सामने आने के बाद छात्रों में हड़कंप मच गया है। आजादपुरा निवासी एक छात्र ने स्थानीय संस्थान एसएन हेल्थकेयर एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट के खिलाफ डीआईओएस को शिकायती पत्र सौंपकर जांच और कार्रवाई की मांग की है। छात्र का आरोप है कि संस्थान द्वारा दिए जा रहे दस्तावेजों की प्रामाणिकता संदिग्ध है और समय पर जरूरी कागजात भी उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। शिकायतकर्ता सुमित पुत्र कैलाश नारायण निवासी आजादपुरा ने बताया कि वह उक्त संस्थान से डीएमएलटी (डिप्लोमा इन मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी) का कोर्स कर रहा है। आरोप है कि कॉलेज द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों और प्रमाणपत्रों का सत्यापन नहीं हो पा रहा है, जिससे उनकी वैधता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पीड़ित छात्र का कहना है कि कॉलेज प्रबंधन से कई बार संपर्क करने के बावजूद आवश्यक दस्तावेज समय पर नहीं दिए गए। कुछ कागजात लंबे इंतजार और लगातार दबाव के बाद मिले, जबकि कई महत्वपूर्ण दस्तावेज अब तक लंबित हैं। छात्र ने आरोप लगाया कि कॉलेज प्रशासन छात्रों को लगातार टालता रहा, जिससे उनका समय और धन दोनों बर्बाद हो रहे हैं। शिकायतकर्ता ने जिला विद्यालय निरीक्षक से मांग की है कि संस्थान की मान्यता, दस्तावेजों और संचालन की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि अन्य छात्रों का भविष्य प्रभावित होने से बचाया जा सके। मामले को लेकर शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा शिकायत पत्र प्राप्त कर जांच की प्रक्रिया शुरू किए जाने की चर्चा है। छात्र और उसके परिजन अब प्रशासनिक कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

# नेहरू नगर में पाइपलाइन बिछी, फिर भी पानी को तरस रहे लोग

- **सांटा न डलने से घरों तक नहीं पहुंच रहा पानी, भीषण गर्मी में बढ़ी परेशानी**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**ललितपुर।** भीषण गर्मी के बीच शहर में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है। ऐसा ही एक मामला नगर के वार्ड नंबर-01 स्थित नेहरू नगर, टोरिया मंदिर के पास ढिमरौला मोहल्ला से सामने आया है, जहां पानी की पाइपलाइन बिछाए जाने के बावजूद लोगों को पानी नसीब नहीं हो पा रहा है। मुख्य लाइन से घरों तक सांटा (कनेक्शन) न डाले जाने के कारण मोहल्लेवासी बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं। मोहल्ले की निवासी रेखा सहित क्षेत्र के लोगों ने जल संस्थान के अधिशासी अभियंता को शिकायती पत्र देकर समस्या समाधान की मांग की है। शिकायत में बताया गया कि विभाग द्वारा क्षेत्र में पानी की पाइपलाइन डालने का कार्य तो काफी पहले पूरा कर लिया गया था, लेकिन आज तक घरों को मुख्य पाइपलाइन से जोडने के लिए सांटा नहीं डाला गया। इसके चलते पूरी योजना अधूरी पड़ी हुई है और लोगों को उसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी के इस मौसम में पानी की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। महिलाओं और बच्चों को दूर-दराज से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। कई बार अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। मोहल्लावासियों ने प्रशासन और जल संस्थान के अधिकारियों से मांग की है कि जनहित को देखते हुए जल्द से जल्द घरों तक पाइपलाइन कनेक्शन उपलब्ध कराया जाए, ताकि लोगों को पेयजल संकट से राहत मिल सके। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वह आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

## जिलाधिकारी ने दो पूर्ति निरीक्षकों को प्रतिकूल प्रविष्टि दी, जन समस्याओं के निस्तारण में लापरवाही पर कार्रवाई

**सिद्धार्थनगर।** जिलाधिकारी शिव शरणप्पा जी एन ने शासकीय दायित्वों के निर्वहन में गम्भीर लापरवाही बरते जाने, दिये गये निर्देशो का पालन नहीं करने तथा शासन के महत्वपूर्ण निर्देश के क्रम में प्रतिदिन कार्यालय में उपस्थित होकर पूर्वाह्न 10 से 12 के मध्य जनसुनवाई के दिये गये निर्देश का पालन न करने अक्सर तहसील में अनुपस्थित रहने, वर्तमान वैश्विक परिदृष्य में भी पेट्रोल पम्पों व गैस एजेंसियो पर शिथिल पर्यवेक्षण करने समय से आई0 जी0 आर0 एस0 व अन्य जन समस्याओं का निस्तारण न करने शिकायतकर्ताओं/ आमजन से समुचित व्यवहार न करने जैसे शासकीय कार्यो में गम्भीर लापरवाही बरते जाने के कारण प्रियंका कश्यप, पूर्ति निरीक्षक उसका बाजार व माला गुप्ता, पूर्ति निरीक्षक लोटन को जिलाधिकारी द्वारा प्रतिकूल प्रविष्टी प्रदान की गई है। उक्त आशय की जानकारी जिला पूर्ति अधिकारी, देवेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दिया है।

# योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज को विकास और स्वच्छता का मॉडल बताया

**» मुयमंत्री,ने 400 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण।**

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को प्रयागराज नगर निगम में आयोजित 'मेयर के तीन साल बेमिसाल' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नगर निगम की विभिन्न विकास योजनाओं और स्वच्छता अभियानों की सराहना करते हुए प्रयागराज को तेजी से विकसित होता शहर बताया। इस दौरान उन्होंने सफाई वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और स्वच्छता कर्मियों को सम्मानित करते हुए उन्हें किट भी वितरित की। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रयागराज ने बीते वर्षों में विकास, स्वच्छता और धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ आयोजन ने न केवल प्रयागराज बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश की वैश्विक छवि को मजबूत किया है।

**'महाकुंभ को हमने नई पहचान दी '**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 45 दिनों तक चले महाकुंभ आयोजन में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। देश और विदेश से करोड़ों श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब लोगों के मन में कुंभ को लेकर अनेक आशंकाएं रहती थीं और लोग बड़ी संख्या में आने से हिचकते थे, लेकिन वर्ष 2019 में जब प्रदेश सरकार को प्रयागराज कुंभ के आयोजन का अवसर मिला, तब प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और सरकार के प्रयासों से इस आयोजन को नई पहचान मिली। उन्होंने कहा कि बेहतर व्यवस्थाओं, सुरक्षा, स्वच्छता और आधुनिक सुविधाओं के कारण प्रयागराज का कुंभ विश्वस्तर पर चर्चा का विषय बना। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक विकास से जोड़ने का कार्य किया है।

**400 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण**

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने लगभग 400 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में सड़क, नाला, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता और नगर विकास से जुड़ी कई योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने पिछले तीन वर्षों में नगर निगम द्वारा कराए गए विकास कार्यों पर आधारित विशेष पुस्तिका का भी विमोचन किया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज स्मार्ट और स्वच्छ शहर की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

**सफाईकर्मियों का बढ़ाया उत्साह**

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सफाई कर्मचारियों को स्वच्छता किट वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता कर्मी शहर को सुंदर और स्वस्थ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सरकार उनके कल्याण और सुरक्षा के लिए लगातार कार्य कर रही है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, नगर निगम के कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

# इबोला के खतरे के बीच सतर्क हुआ भारत

अफ्रीका के कुछ देशों में इबोला विषाणु के नए और बेहद खतरनाक प्रकोप ने पूरी दुनिया को एक बार फिर से चिंता और सतर्कता की स्थिति में ला खड़ा किया है। युगांडा और कांगो जैसे देशों में तेजी से फैल रहे इस घातक संक्रमण को देखते हुए भारत ने भी अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं और विशेषकर हवाई अड्डों पर निगरानी को अत्यधिक कड़ा कर दिया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने नई और सख्त मानक संचालन प्रक्रिया लागू करते हुए विमानन कंपनियों और हवाई अड्डा प्रशासन को विशेष निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का मुख्य उद्देश्य किसी भी संभावित संक्रमित व्यक्ति की समय रहते पहचान करना और इस बीमारी को देश के भीतर फैलने से रोकना है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 17 मई 2026 को इस प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित कर दिया। संगठन के अनुसार कांगो और युगांडा में तेजी से फैल रहे संक्रमण ने वैश्विक चिंता को बढ़ा दिया है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार 246 संदिग्ध मामले और 80 मौतें दर्ज की गई थीं, लेकिन बाद में यह संख्या लगातार बढ़ती चली गई। कई रिपोर्टों में 600 से अधिक संदिग्ध मामलों और 139 से अधिक मौतों का उल्लेख किया गया है। कुछ ताजा रिपोर्टों में 900 से अधिक संदिग्ध मामलों और 220 संभावित मौतों की भी आशंका जताई गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह संक्रमण बंडिबुग्यो प्रकार के इबोला विषाणु से जुड़ा हुआ है। इस प्रकार को बेहद खतरनाक इसलिए माना जा रहा है क्योंकि इसके लिए अब तक कोई स्वीकृत और पूरी तरह प्रभावी टीका उपलब्ध नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी स्वीकार किया है कि इस प्रकार के संक्रमण के लिए अभी केवल सहायक उपचार ही संभव है। यही कारण है कि संक्रमित व्यक्ति की जल्दी पहचान और उसे तुरंत अलग करना सबसे प्रभावी उपाय माना जा रहा है।




भारत सरकार ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर विशेष निगरानी शुरू कर दी है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई जैसे बड़े हवाई अड्डों पर अतिरिक्त स्वास्थ्य दल तैनात किए गए हैं। अफ्रीकी देशों से आने वाले यात्रियों की उष्मीय जांच की जा रही है ताकि बुखार या संक्रमण के शुरुआती संकेत तुरंत पकड़े जा सकें। यात्रियों से स्वास्थ्य घोषणा पत्र भी भरवाए जा रहे हैं जिनमें उनकी पिछली यात्राओं और स्वास्थ्य स्थिति से संबंधित जानकारी ली जा रही है। इबोला का सबसे खतरनाक पहलू इसका लंबा उद्भवन काल माना जाता है। संक्रमण के बाद लक्षण सामने आने में 2 से 21 दिन तक का समय लग सकता है। इस दौरान संक्रमित व्यक्ति सामान्य दिखाई दे सकता है लेकिन वह दूसरों को संक्रमित करने की क्षमता रखता है। इसी कारण भारत में आने वाले यात्रियों की पिछले 1 महीने की यात्रा जानकारी को बारीकी से जांचा जा रहा है। यदि कोई यात्री हाल में प्रभावित देशों में गया हो या वहां से होकर आया हो तो उस पर अतिरिक्त निगरानी रखी जा रही है।

हवाई अड्डों पर विशेष पृथक कक्ष बनाए गए हैं ताकि किसी यात्री में लक्षण मिलने पर उसे तुरंत सामान्य लोगों से अलग किया जा सके। ऐसे यात्रियों के रक्त और अन्य नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशालाओं में भेजा जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने अस्पतालों को भी तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। डॉक्टरों और नर्सों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे संक्रमण से सुरक्षित रहते हुए मरीजों का इलाज कर सकें। सुरक्षात्मक कपड़े, दस्ताने और उच्च गुणवत्ता वाले मास्क के उपयोग को अनिवार्य किया गया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने विमानन कंपनियों को भी सख्त निर्देश दिए हैं। यदि उड़ान के दौरान कोई यात्री अचानक तेज बुखार, उल्टी, कमजोरी या रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाता है तो चालक दल को तुरंत वायु यातायात नियंत्रण और स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचना देनी होगी। कुछ मामलों में संदिग्ध यात्रियों को विमान में अलग सीटों पर बैठाने और उनके संपर्क में आए यात्रियों की जानकारी सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनसे संपर्क किया जा सके।

चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार इबोला दुनिया की सबसे घातक बीमारियों में से एक है। यह बीमारी संक्रमित व्यक्ति के खून, पसीने, उल्टी, लार या शरीर के अन्य तरल पदार्थों के संपर्क से फैलती है। इसके शुरुआती लक्षण सामान्य वायरल बुखार जैसे लग सकते हैं। मरीज को तेज बुखार, सिरदर्द, गले में दर्द, कमजोरी और मांसपेशियों में दर्द होता है। बाद में उल्टी, दस्त और गंभीर स्थिति में आंतरिक या बाहरी रक्तस्राव शुरू हो सकता है। यही कारण है कि शुरुआती पहचान को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। युगांडा और कांगो में स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। कई स्वास्थ्यकर्मी भी संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों, सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं और स्थानीय अविश्वास के कारण संक्रमण को नियंत्रित करना बेहद कठिन हो रहा है। कुछ इलाकों में उपचार केंद्रों पर हमले तक किए गए हैं जिससे राहत कार्य प्रभावित हुए हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि आज की दुनिया पहले की तुलना में कहीं अधिक जुड़ी हुई है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और व्यापार के कारण कोई भी संक्रमण कुछ घंटों में दूसरे महाद्वीप तक पहुंच सकता है। यही कारण है कि अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर और यूरोप के कई देशों ने भी यात्रियों की अतिरिक्त जांच और निगरानी शुरू कर दी है। कई देशों ने प्रभावित क्षेत्रों की यात्रा को लेकर चेतावनी भी जारी की है। भारत में फिलहाल इबोला का कोई पुष्ट मामला सामने नहीं आया है लेकिन सरकार कोई जोखिम लेने के पक्ष में नहीं है। कोविड महामारी के दौरान मिले अनुभवों के आधार पर इस बार पहले से ही तैयारी शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय लगातार विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के संपर्क में है ताकि ताजा जानकारी मिलती रहे और जरूरत पड़ने पर तुरंत कदम उठाए जा सकें। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है लेकिन सावधानी बहुत जरूरी है। यदि कोई व्यक्ति हाल में प्रभावित देशों से लौटा हो और उसे बुखार, कमजोरी, उल्टी या रक्तस्राव जैसे लक्षण महसूस हों तो उसे तुरंत अस्पताल जाकर जांच करानी चाहिए। बीमारी को छिपाना या इलाज में देरी करना समाज के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। लोगों को हाथों की सफाई, संक्रमित व्यक्ति से दूरी और स्वास्थ्य संबंधी निर्देशों का पालन करना चाहिए। इबोला के बढ़ते मामलों ने दुनिया को एक बार फिर यह याद दिलाया है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को हर समय तैयार रहना चाहिए। महामारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं होती बल्कि वह सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक चुनौती भी बन जाती है। यदि समय रहते तैयारी न की जाए तो छोटी सी लापरवाही भी बड़े संकट में बदल सकती है। फिलहाल भारत की कोशिश यही है कि यह बीमारी देश की सीमाओं तक पहुंचे ही नहीं और यदि कोई मामला सामने आए भी तो उसे तुरंत नियंत्रित किया जा सके ताकि देश की जनता सुरक्षित रह सके। **महेन्द्र तिवारी**

# गर्मियों की छुट्टियों में किताबों की ठंडक






**संपादक/लेखक: राजीव शुक्ला**

जब सूरज आसमान से आग बरसा रहा हो, पंखे की हवा भी गुनगुनी लग रही हो और स्कूल की घंटी कई हफ्तों के लिए चुप हो चुकी हो, तब सबसे अच्छा सहारा क्या है? किताबों की ठंडक

कल्पना कीजिए–आप एक पुराने बरगद के नीचे बैठे हैं, या अपनी छत पर शाम की हल्की हवा में। हाथ में एक किताब खुली है। पन्ने पलटते ही आप उड़ चलते हैं–कभी हॉगवर्ट्स की जादुगरी दुनिया में, कभी शेरखान के जंगलों में, कभी महात्मा गांधी की सत्य की खोज में और कभी एलन मस्क की स्टारशिप की यात्रा पर। गर्मी बाहर है, लेकिन अंदर बर्फ जैसी शांति और रोमांच।

गर्मियों की छुट्टियां सिर्फ खेलने-घूमने या सोने के लिए नहीं हैं। ये दिमाग को नया आकार देने का मौका हैं। किताबें न सिर्फ ज्ञान देती हैं, बल्कि सहानुभूति सिखाती हैं, कल्पनाशक्ति जगाती हैं और भविष्य के सपनों को पंख देती हैं।

इस गर्मी में भारतीय किताबों का खजाना खोलिए:

बच्चों और किशोरों के लिए

पंचतंत्र की कहानियां
- विक्रम और वेताल
- अकबर-बीरबल की कहानियां
- चंद्रकांता (देवकीनंदन खत्री)
- छत का कमरा (रस्किन बॉन्ड)

क्लासिक और प्रेरणादायक
- गोदान (मुंशी प्रेमचंद)
- मधुशाला(हरिवंश राय बच्चन)
- राग दरबारी (श्रीलाल शुक्ल)
- भारत की खोज (जवाहरलाल नेहरू)
- सत्य के प्रयोग (महात्मा गांधी)

आधुनिक और रोचक
- अग्नि की उड़ान (ए.पी.जे. अब्दुल कलाम)
- श्रीकांत (शरतचंद्र चट्टोपाध्याय)

माता-पिता अक्सर कहते हैं– 'बेटा, पढ़ाई करो।' लेकिन सच तो यह है कि खूब पढ़ना पढ़ाई नहीं, जीवन की तैयारी है। एक अच्छी किताब स्कूल के टेक्स्टबुक से कहीं ज्यादा सिखा सकती है–धैर्य, साहस, हास्य और सपनों को पकड़ने की कला।

इस गर्मी में टीवी और मोबाइल की स्क्रीन से थोड़ा ब्रेक लें। पुस्तकालय जाएं, किताबों की दुकान पर घूमें या ऑनलाइन कोई नई कहानी चुनें। हर पन्ना एक ठंडा पेय है जो गर्मी को भुला देगा।

किताबें न सिर्फ पढ़ी जाएं, बल्कि जी ली जाएं।

गर्मियों की यह छुट्टी आपके बच्चे को सिर्फ विश्राम न दे, बल्कि नई रोशनी भी दे।

पढ़िए। सपनों की गर्मी को शीतल बनाइए।

क्योंकि असली छुट्टी तो किताबों के साथ ही शुरू होती है।

# विश्व के नेताओं को क्यों समझ नहीं आती शांति की भाषा

मानव सभ्यता ने विज्ञान, तकनीक, चिकित्सा और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, किंतु विडंबना यह है कि इसी सभ्यता का नेतृत्व करने वाले अनेक विश्व नेता आज भी युद्ध, हथियारों की होड़ और शक्ति प्रदर्शन की मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए हैं। आधुनिक विश्व का सबसे बड़ा संकट केवल आर्थिक असमानता या पर्यावरणीय विनाश नहीं, बल्कि वह मानसिक अस्थिरता और वैचारिक भ्रम है जिसने वैश्विक नेतृत्व को असंवेदनहीन बना दिया है। शांति की भाषा आज उन्हें कमजोरों की भाषा प्रतीत होती है, जबकि इतिहास गवाह है कि स्थायी विकास केवल शांति और सहअस्तित्व से ही संभव हुआ है। आज दुनिया के कई शक्तिशाली राष्ट्र युद्ध की आग में झुलस रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य-पूर्व में इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष, चीन-ताइवान तनाव, उत्तर कोरिया की परमाणु धमकियाँ और आतंकवाद की बढ़ती घटनाएँ यह प्रमाणित करती हैं कि विश्व नेतृत्व संवाद के स्थान पर टकराव को प्राथमिकता दे रहा है। ऐसा प्रतीत होता है मानो मानवता की करुणा पर सत्ता की महत्वाकांक्षा भारी पड़ गई हो।

महात्मा गांधी ने कहा था आँख के बदले आँख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।

गांधीजी का यह कथन आज पहले से अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है। विश्व के बड़े नेता प्रतिशोध और प्रभुत्व की राजनीति में इतने उलझ चुके हैं कि उन्हें युद्ध के पीछे रोती मानवता दिखाई नहीं देती। लाखों निर्दोष नागरिक विस्थापित हो रहे हैं, बच्चे अनाथ हो रहे हैं,अर्थव्यवस्थाएँ बिखर रही हैं, किंतु हथियार उद्योग और सामरिक राजनीति लगातार फल-फूल रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान ने कहा था हमें युद्ध को मानवता के भविष्य से बाहर करना होगा। दुर्भाग्य यह है कि संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएँ भी आज महाशक्तियों के राजनीतिक दबाव से पूर्णतः स्वतंत्र नहीं रह पाई हैं। वीटो शक्ति रखने वाले देश अक्सर अपने हितों के अनुसार वैश्विक निर्णयों को प्रभावित करते हैं। परिणामस्वरूप शांति वार्ताएँ केवल औपचारिकता बनकर रह जाती हैं।



विश्व के बड़े नेताओं की मानसिकता में एक गहरा भय भी दिखाई देता है–सत्ता खोने का भय, वर्चस्व समाप्त होने का भय और दूसरे राष्ट्र के अधिक शक्तिशाली हो जाने का भय। यही भय उन्हें शांति की जगह युद्ध की तैयारी की ओर धकेलता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी ने अपने एक ऐतिहासिक भाषण में कहा था मानव जाति को युद्ध समाप्त करना होगा, अन्यथा युद्ध मानव जाति को समाप्त कर देगा। केनेडी की यह चेतावनी आज परमाणु हथियारों से लैस दुनिया के लिए किसी भविष्यवाणी से कम नहीं लगती।

वर्तमान वैश्विक राजनीति में सबसे चिंताजनक बात यह है कि नेताओं की भाषा से संवेदनशीलता कम होती जा रही है। राजनीतिक मंचों पर संवाद के स्थान पर कटुता और धमकियों का प्रयोग बढ़ गया है। सोशल मीडिया और प्रचार तंत्र ने भी आक्रामक राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया है। जनता को भावनात्मक रूप से उकसाकर युद्ध समर्थक वातावरण तैयार किया जाता है। राष्ट्रहित के नाम पर हिंसा को उचित ठहराया जाने लगा है।

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पंचशील सिद्धांत प्रस्तुत करते हुए कहा था कि विश्व शांति सहअस्तित्व और पारस्परिक सम्मान से ही संभव है। उन्होंने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के माध्यम से यह संदेश दिया कि शक्ति संतुलन युद्ध से नहीं बल्कि संवाद से कायम रखा जा सकता है। किंतु आज विश्व राजनीति में संवाद की जगह आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य गठबंधन और हथियारों का प्रदर्शन अधिक दिखाई देता है। दक्षिण अफ्रीका के महान नेता नेल्सन मंडेला ने कहा था–यदि आप अपने शत्रु के साथ शांति चाहते हैं तो आपको उसके साथ काम करना होगा। यह कथन बताता है कि शांति केवल समझौतों से नहीं बल्कि मानसिक परिवर्तन से आती है। दुर्भाग्यवश वर्तमान विश्व नेतृत्व में यह मानसिक परिपक्वता कम दिखाई देती है। नेताओं के निर्णय अक्सर अहंकार, राजनीतिक लाभ और चुनावी रणनीतियों से प्रभावित होते हैं। मानवता पीछे छूट जाती है।

धार्मिक और सांस्कृतिक संघर्षों को भी कई बार राजनीतिक नेतृत्व अपने हित में उपयोग करता है। इससे समाजों में अविश्वास और घृणा बढ़ती है। दुनिया का सामान्य नागरिक शांति चाहता है, लेकिन सत्ता के गलियारों में बैठे लोग संघर्ष से लाभ अर्जित करते हैं। हथियार कंपनियों का बढ़ता प्रभाव भी विश्व शांति के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। युद्ध जितना लंबा चलता है, हथियार उद्योग उतना अधिक लाभ कमाता है। ऐसे में शांति प्रयास कमजोर पड़ जाते हैं।

भारत की सांस्कृतिक परंपरा सदैव 'वसुधैव कुटुंबकम्' की रही है। भगवान बुद्ध ने अहिंसा और करुणा का संदेश दिया। स्वामी विवेकानंद ने विश्व बंधुत्व की बात की। फिर भी आधुनिक विश्व ने इन आदर्शों को केवल भाषणों तक सीमित कर दिया है। यदि विश्व नेतृत्व वास्तव में शांति चाहता, तो शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर उतना ही खर्च होता जितना हथियारों पर किया जा रहा है। आज आवश्यकता केवल राजनीतिक समझौतों की नहीं, बल्कि मानसिक क्रांति की है। विश्व नेताओं को यह समझना होगा कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता। युद्ध केवल विनाश की नई नींव रखता है। शांति कमजोरी नहीं बल्कि सबसे बड़ी शक्ति है। जो नेता संवाद, सहिष्णुता और मानवता की रक्षा करते हैं, इतिहास अंततः उन्हीं को महान मानता है।

**अंततः** यह कहा जा सकता है कि मानसिक रूप से भ्रमित वैश्विक नेतृत्व ने दुनिया को भय, असुरक्षा और संघर्ष के द्वार पर ला खड़ा किया है। यदि समय रहते शांति, सहअस्तित्व और मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें एक असफल सभ्यता के रूप में याद करेंगी। दुनिया को ऐसे नेताओं की आवश्यकता है जो हथियारों की आवाज़ नहीं, बल्कि मानवता की पुकार सुन सकें। तभी यह पृथ्वी वास्तव में शांति का घर बन सकती है।

**संजीव ठाकुर**

# सुदूर ग्रामीण अंचलों में बढ़ती घुसपैठ की चुनौती



देश में अवैध घुसपैठ का मुद्दा अब केवल सीमावर्ती राज्यों या महानगरों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसकी आहट सुदूर ग्रामीण अंचलों और कस्बाई क्षेत्रों तक पहुँचने लगी है। पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, बिहार सहित कई राज्यों में अवैध बांग्लादेशी, पाकिस्तानी और रोहिंग्या घुसपैठियों के विरुद्ध चल रहे अभियानों के बाद जिस प्रकार महानगरों और रेलवे स्टेशनों पर असामान्य हलचल दिखाई दे रही है, वह इस समस्या की गंभीरता को उजागर करती है। वर्षों से स्थानीय संरक्षण, प्रशासनिक लापरवाही और राजनीतिक स्वार्थों के कारण बड़ी संख्या में ऐसे लोग देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी जड़ें जमा चुके हैं। चिंताजनक तथ्य यह है कि इनमें से अनेक लोग शासकीय दस्तावेज प्राप्त कर लोकतांत्रिक व्यवस्था तक को प्रभावित करने लगे हैं।

देश में मतदाता सूची पुनरीक्षण के कार्य के दौरान बड़ी संख्या में ऐसे लोगों का सामने आना, जो अपनी नागरिकता के पर्याप्त प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके, प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। यद्यपि दस्तावेजों के अभाव मात्र से किसी को घुसपैठिया घोषित नहीं किया जा सकता, फिर भी लगातार बदलती पहचान और ठिकानों की प्रवृत्ति राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चिंता का विषय अवश्य है। सख्त कार्रवाई से बचने के लिए अब इन घुसपैठियों का रुख ग्रामीण क्षेत्रों की ओर बढ़ना और भी अधिक खतरनाक संकेत है, क्योंकि गांवों में पहचान और सत्यापन की व्यवस्था अपेक्षाकृत कमजोर होती है। यही कारण है कि वे आसानी से स्थानीय समाज में घुलमिल जाते हैं और प्रशासन को भनक तक नहीं लगती। यह समस्या केवल अवैध निवास तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे देश के संसाधनों, रोजगार, सामाजिक संतुलन और सांस्कृतिक अस्मिता पर भी दबाव बढ़ता है। यदि समय रहते पारदर्शी और कठोर सत्यापन व्यवस्था लागू नहीं की गई, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और विकराल रूप ले सकता है।

राज्य सरकारों को ग्राम पंचायत से लेकर नगर निकाय स्तर तक व्यापक सत्यापन अभियान चलाना चाहिए तथा राजस्व, पुलिस और स्थानीय प्रशासन की स्पष्ट जवाबदेही तय करनी चाहिए। साथ ही राजनीतिक दलों को भी वोट बैंक की संकीर्ण मानसिकता से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। अवैध घुसपैठ किसी एक राज्य या समुदाय का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की सुरक्षा और स्थिरता का प्रश्न है। इस चुनौती से निपटने के लिए संवेदनशीलता, निष्पक्षता और कठोर प्रशासनिक इच्छाशक्ति तीनों की आवश्यकता है। यदि आज दृढ़ कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में यही समस्या सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता के लिए गंभीर संकट बन सकती है।

**अरविंद रावल**

# दैनिक राशिफल




**मेष** आज का दिन ऊर्जा से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, अनावश्यक खर्च से बचें। **शुभ रंग:** लाल शुभ अंक: 9

**वृषभ** रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। नौकरी और व्यापार में लाभ के संकेत हैं। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। **शुभ रंग:** सफेद **शुभ अंक:** 6

**मिथुन** आज मन थोड़ा चंचल रह सकता है। निर्णय सोच-समझकर लें। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा रहेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। **शुभ रंग:** हरा **शुभ अंक:** 5

**कर्क** परिवार का सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। नौकरी में अधिकारियों से सराहना मिल सकती है। धन लाभ के योग बन रहे हैं। **शुभ रंग:** क्रीम **शुभ अंक:** 2

**सिंह** आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। यात्रा के योग बन रहे हैं। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात लाभदायक रहेगी। **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ अंक:** 1

**कन्या** आज मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। करियर में प्रगति के संकेत हैं। परिवार के किसी सदस्य की चिंता हो सकती है। खानपान का ध्यान रखें। **शुभ रंग:** नीला **शुभ अंक:** 7

**तुला** आज का दिन संतुलित रहेगा। दांपत्य जीवन में खुशियां आएंगी। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ अंक:** 8

**वृश्चिक** गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। धैर्य और समझदारी से काम लें। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। **शुभ रंग:** मैरून **शुभ अंक:** 4

**धनु** भाग्य का साथ मिलेगा। शिक्षा और करियर में सफलता के योग हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। निवेश करने से पहले सलाह अवश्य लें। **शुभ रंग:** पीला **शुभ अंक:** 3

**मकर** आज जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में बदलाव के संकेत मिल सकते हैं। किसी पुराने विवाद का समाधान होगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। **शुभ रंग:** भूरा **शुभ अंक:** 10

**कुंभ** रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। सामाजिक सम्मान बढ़ेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। यात्रा लाभदायक हो सकती है। **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ अंक:** 11

**मीन** भावनाओं में बहकर निर्णय न लें। आर्थिक मामलों में सतर्कता जरूरी है। परिवार में खुशखबरी मिल सकती है। विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ रहेगा। **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ अंक:** 12

# बच्चों के भविष्य की कीमत पर बिक रहा है माँ-बाप का आज

जो कभी थकते नहीं थे, आज वो थकान महसूस कर रहे हैं

स्क्रीन के उजाले में खोता बचपन, और अंधेरे में जागते माता-पिता

टूटी नींदों और अधूरी मुस्कानों के बीच पलता सच आज अभिभावकों की कठोर हकीकत बन चुका है। जब समाज अभिभावकों की भूमिका को नए नजरिए से देखेगा, तब 1 जून 2026 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय अभिभावक दिवस की थीम 'अभिभावकों के लिए एकजुट' कोई साधारण थीम नहीं, बल्कि समाज की नींव को हिला देने वाली सच्चाई बनेगा। आज माता-पिता अकेलेपन, डिजिटल दबाव और बढ़ती अपेक्षाओं के बीच संतुलन साध रहे हैं। परिवार ढांचे कमजोर हो रहे हैं और बचपन स्क्रीन में खोता जा रहा है। ऐसे में अभिभावक केवल देखभालकर्ता नहीं, भविष्य के निर्माता हैं। यह दिन स्पष्ट करता है कि बच्चों की नींव शिक्षा नहीं, बल्कि साझा सहयोग और सामूहिक जिम्मेदारी पर टिकी है।

अभिभावकत्व आज एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुका है जहाँ दबाव और जिम्मेदारियाँ पहले से कहीं अधिक तीव्र हैं। बच्चे अब घर और स्कूल तक सीमित नहीं, बल्कि पूरी तरह डिजिटल दुनिया के हिस्सेदार बन गए हैं। सोशल मीडिया, गेमिंग और ऑनलाइन ट्रेंड्स उनके सोच और व्यवहार को गहराई से बदल रहे हैं। ऐसे समय में माता-पिता केवल अनुशासनकर्ता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक, तकनीकी साथी और भावनात्मक सहारा बन गए हैं। इस दोहरी भूमिका में वे अक्सर मानसिक थकान और अपराधबोध महसूस करते हैं। समाज की 'आदर्श माता-पिता' की अपेक्षा उनका आत्मविश्वास कमजोर करती है। इसलिए आज सबसे अधिक जरूरत सामूहिक समर्थन की है।

इतिहास साक्षी है कि हर सभ्यता की नींव मजबूत अभिभावकत्व पर टिकी रही है। जब परिवार जुड़े हुए थे, तब समाज भी अधिक स्थिर और संवेदनशील था। दादा-दादी की कहानियाँ, माता-पिता का अनुशासन और सामुदायिक जीवन बच्चों को नैतिक मूल्यों से जोड़ते थे। संयुक्त परिवार की व्यवस्था बच्चों को नैतिक मूल्यों, भावनात्मक सुरक्षा और सांस्कृतिक निरंतरता प्रदान करती थी। आज यह ढांचा तेजी से टूट रहा है और पीढ़ियों के बीच दूरी बढ़ती जा रही है। बच्चे भौतिक रूप से समृद्ध हैं, पर भीतर से असंतुलित हो रहे हैं। अभिभावक अकेले इस खालीपन को भरने की कोशिश कर रहे हैं, जो अब लगभग असंभव चुनौती बनता जा रहा है। इसलिए सामूहिक जिम्मेदारी और सामाजिक भागीदारी को फिर से मजबूत करना जरूरी है, ताकि बच्चों का संतुलित विकास संभव हो सके।

आज की बदलती अर्थव्यवस्था और तेज़ रफ्तार कार्यसंस्कृति ने अभिभावकों पर जिम्मेदारियों का बोझ कई गुना बढ़ा दिया है। माता और पिता दोनों ही रोजगार की अनिश्चितता और लंबे कार्यघंटों के बीच संतुलन साधने को संघर्षरत हैं। ऐसे में बच्चों के साथ समय बिताना लगातार कठिन होता जा रहा है। तकनीक ने भले ही काम को सरल बनाया हो, लेकिन उसने व्यक्तिगत संबंधों में दूरी भी बढ़ाई है। अब माता-पिता केवल आर्थिक सुरक्षा देने वाले नहीं, बल्कि भावनात्मक स्थिरता का आधार भी बन गए हैं। यह दोहरी भूमिका उन्हें निरंतर दबाव में रखती है। परिणामस्वरूप परिवारों में संवाद घट रहा है और भावनात्मक दूरी बढ़ती जा रही है। ऐसे समय में सामुदायिक सहयोग और लचीली कार्यनीतियाँ बेहद जरूरी हो गई हैं।



आज की बदलती दुनिया में यह स्पष्ट हो चुका है कि 'अभिभावकों के लिए एकजुट' अब केवल नारा नहीं, बल्कि अनिवार्य आवश्यकता है। जब अभिभावक अकेले संघर्ष करते हैं, तो उसका असर सीधे बच्चों के भविष्य पर पड़ता है। बढ़ता तनाव, मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएँ और डिजिटल निर्भरता ने इस स्थिति को और गंभीर बना दिया है। इस थीम का उद्देश्य केवल जागरूकता नहीं, बल्कि एक ऐसा सहयोग तंत्र बनाना है जहाँ हर व्यक्ति अभिभावकों के साथ खड़ा हो। शिक्षक, पड़ोसी, नीति-निर्माता और कार्यस्थल मिलकर परिवारों को मजबूती दें। यही सामूहिक प्रयास आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और संतुलित जीवन दे सकता है।

दुनिया के हर कोने में माता-पिता की पीड़ा एक जैसी दिखाई देती है, चाहे देश या संस्कृति कोई भी हो। आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन, सामाजिक विभाजन और तेज़ तकनीकी बदलाव ने परिवारों को गहराई से प्रभावित किया है। हर जगह अभिभावक अपने बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिए संघर्ष कर रहे हैं। विकसित और विकासशील दोनों ही देशों में मानसिक तनाव और समय की कमी एक सामान्य समस्या बन चुकी है। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और अनुभवों का आदान-प्रदान अत्यंत आवश्यक हो जाता है। यदि देशों के बीच सीख साझा की जाए, तो अभिभावकत्व की गुणवत्ता को बेहतर बनाया जा सकता है।

परंपरा और आधुनिकता के बीच खड़ा अभिभावक आज संतुलन की कठिन राह पर चल रहा है। एक ओर उसे बच्चों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना है, तो दूसरी ओर उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। यह संतुलन बेहद चुनौतीपूर्ण है क्योंकि दोनों दिशाओं का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। परंपरागत मूल्य अनुशासन और सामूहिकता सिखाते हैं, जबकि आधुनिक शिक्षा स्वतंत्र सोच और नवाचार को बढ़ावा देती है। अभिभावक इन दोनों के बीच सेतु की भूमिका निभाते हैं। यदि यह संतुलन बिगड़ जाए, तो बच्चों का व्यक्तित्व प्रभावित हो सकता है। इसलिए अभिभावकों के लिए निरंतर सीखना और समय के साथ स्वयं को बदलना आवश्यक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ की रिपोर्ट्स भी बार-बार चेतावनी दे रही हैं कि माता-पिता के बढ़ते तनाव का सीधा असर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और विकास पर पड़ रहा है।

वह अनदेखी मेहनत जो हर सुबह दुनिया को संभालती है, वही अभिभावक हैं। अंतर्राष्ट्रीय अभिभावक दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। यह हमें याद दिलाता है कि अभिभावक समाज की वह रीढ़ हैं जो भविष्य को आकार देते हैं। यदि उन्हें अकेला छोड़ दिया गया, तो उसका असर पूरी पीढ़ी पर पड़ेगा। इसलिए 'अभिभावकों के लिए एकजुट' केवल विचार नहीं, बल्कि व्यवहारिक क्रांति बननी चाहिए। हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह अपने आसपास के माता-पिता का सहयोग करे और उनके संघर्ष को समझे। शिक्षा, नीति और समाज को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जहाँ अभिभावक सम्मान, सहयोग और सुरक्षा महसूस कर सकें। यही आने वाले समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

**कृति आरके जैन**

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**–उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

## संक्षिप्त खबरें

### उमेश द्विवेदी को फिर प्रत्याशी बनाए जाने पर शिक्षकों में खुशी

**लालगंज (रायबरेली)।** लखनऊ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी को भारतीय जनता पार्टी की ओर से पुनः प्रत्याशी घोषित किए जाने पर माध्यमिक वित्तविहीन प्रधानाचार्य परिषद ने प्रशन्नता व्यक्त की। परिषद के पदाधिकारियों ने एक दूसरे को लड्डू खिलाकर खुशी जताई। परिषद के जिलाध्यक्ष गणेश कुमार मिश्रा ने कहा कि उमेश द्विवेदी कर्मठ, ईमानदार और शिक्षकों की समस्याओं के प्रति संघर्षशील नेता हैं। उनकी साफ सुथरी छवि के कारण उनका दोबारा विधायक चुना जाना तय है। उन्होंने कहा कि पूरा संगठन उनकी जीत सुनिश्चित कराने के लिए पूरी ताकत से चुनाव में जुटेगा। इस दौरान परिषद के संरक्षक अरुण कुमार त्रिपाठी, तहसील प्रभारी विपिन कुमार, ब्लॉक अध्यक्ष धर्मेंद्र मौर्य, महामंत्री विकेश कुमार, कोषाध्यक्ष नैमिष तिवारी, शशि मौर्य, केके मिश्रा, विनोद वर्मा, रमेश मिश्रा, दीपेंद्र कुमार, अमित कुमार यादव और अनुज वर्मा सहित बड़ी संख्या में प्रधानाचार्य व शिक्षक मौजूद रहे।

### नवनिर्मितआँगनबाड़ी केंद्र का भव्य उद्घाटन, ग्रामीणों में दिखा उत्साह

**मिश्रिख(सीतापुर)-** ग्राम पंचायत बढ़ैया में मंगलवार 26 मई 2026 को नवनिर्मित आंगनवाड़ी केंद्र का उद्घाटन समारोह बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में ग्रामीणों, महिलाओं, बच्चों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की भारी उपस्थिति देखने को मिली। गांव में नव निर्मित आंगनवाड़ी केंद्र के शुभारंभ को ग्रामीणों ने विकास एवं बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बाल विकास परियोजना अधिकारी अनीता सिंह एवं मुख्य सेविका रागिनी मिश्रा रहीं। दोनों अतिथियों ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर आंगनवाड़ी केंद्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के बेहतर पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक शिक्षा का मजबूत आधार हैं। सरकार एवं बाल विकास विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों और महिलाओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास ही समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्राम प्रधान अरुण कुमार मौर्य, पंचायत सहायक आकाश मौर्य, पंचायत मित्र शिवसागर तथा कंपोजिट विद्यालय बढ़ैया के प्रधानाध्यापक रणविजय सिंह यादव उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि गांव में आंगनवाड़ी केंद्र का निर्माण क्षेत्र के बच्चों एवं महिलाओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

इससे बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा, पोषण आहार एवं स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त हो सकेगा। कार्यक्रम में प्राथमिक विद्यालय टिपोना के प्रधानाचार्य जितेंद्र सिंह चौहान, कंपोजिट विद्यालय बढ़ैया के सहायक अध्यापक निर्मल कुमार मिश्र, सहायक अध्यापक चंद्रशेखर, सर्वजीत तिवारी, आशा संगिनी गीता देवी, आंगनवाड़ी कार्यकत्री सरोज कुमारी सहित क्षेत्र के अनेक समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों एवं ग्रामीणों ने केंद्र के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सरकार एवं विभाग के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्था एवं परिकल्पना आंगनवाड़ी कार्यकत्री सुहानी देवी द्वारा की गई, जिसकी उपस्थित लोगों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। वहीं कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन समाजसेवी सुरेंद्र कांत मौर्य ने किया। संचालन के दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों की उपयोगिता एवं ग्रामीण विकास में उनकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। समारोह के दौरान बच्चों एवं महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। पूरे कार्यक्रम में सामाजिक समरसता, सहयोग एवं उत्सव जैसा माहौल बना रहा। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि इस केंद्र के माध्यम से गांव के बच्चों को बेहतर पोषण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होंगी तथा क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी।

## न्यायालय नोटिस

**दिनाक-27/05/2026**
**उपजिलाधिकारी लालगंज मिर्जापुर**

वाद संख्या T202316530200697
सन 2023
न्यायालय उपजिलाधिकारी लालगंज

**बिहारी बनाम राजबली वगै0**
**अंतर्गत धारा-144**
**मौजा नरैना कला**

**ता0पेशी-08/06/2026**
**बनाम**
**तामीली से प्रभावित पक्ष :-**
1-राजबली पुत्र सालिकराम निवासी नरैना कला लालगंज मीरजापुर
2- चंद्रबली पुत्र सालिकराम निवासी नरैना कला लालगंज मिर्जापुर
3- राबिया पत्नी हमीद निवासी दुबार कला लालगंज मीरजापुर
4- ग्राम पचायत नरैना कला बजरिये ग्राम प्रधान नरैना कला लालगंज मीरजापुर।

# मलिहाबाद के कसमंडी कला में महाराजा कंसा पासी के किले पर हनुमान चालीसा पाठ से गर्माया माहौल

**● .....सुहेलदेव आर्मी के अध्यक्ष योगेश पासी हाउस अरेस्ट**

**.....हिंदू समाज पार्टी के अध्यक्ष गौरव गोस्वामी को भी रोकने का हुआ प्रयास; विवादित क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात, प्रशासन हाई अलर्ट पर**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**मलिहाबाद (लखनऊ):** राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कसमंडी कला इन दिनों अचानक चर्चा का केंद्र बन गई है। यहाँ स्थित महाराजा कंसा पासी का किला एक बड़े विवाद और राजनीतिक सरगर्मी का अखाड़ा बनता नजर आ रहा है। पूर्व निर्धारित वादे और घोषणा के अनुसार, 'अखंड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा' के कार्यकर्ता और पदाधिकारी कसमंडी कला पहुँचे, जहाँ उन्होंने ज्येष्ठ माह के चौथे बड़े मंगल के पावन अवसर पर महाराजा कंसा पासी के किले के समीप सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस धार्मिक आयोजन के चलते क्षेत्र में अचानक सांप्रदायिक और सामाजिक संवेदनशीलता बढ़ गई। कार्यक्रम को संपन्न कराने की कोशिशों के बीच कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया। इस दौरान पुलिस और प्रशासन ने हिंदू समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव गोस्वामी को मौके पर जाने और पाठ में शामिल होने से रोकने का कड़ा प्रयास किया, जिससे मौके पर काफी देर तक असमंजस की स्थिति बनी रही।

इस पूरे घटनाक्रम ने उस समय और अधिक तूल पकड़ लिया जब सूत्रों के हवाले से यह खबर आई कि सुहेलदेव आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश पासी को पुलिस प्रशासन द्वारा उनके ही आवास पर नजरबंद (हाउस अरेस्ट) कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में स्थित इस ऐतिहासिक और वर्तमान में विवादित माने जा रहे ढांचे के पास हनुमान चालीसा का पाठ किए जाने के बाद से ही पूरे इलाके में तनाव का माहौल व्याप्त हो गया था। किसी भी संभावित सांप्रदायिक टकराव, कानून-व्यवस्था के बिगड़ने या किसी अप्रिय घटना की आशंका को भांपते हुए जिला और पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क मोड पर आ गया है। एहतियात के तौर पर पूरे मलिहाबाद और विशेषकर कसमंडी कला इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को बेहद कड़ा कर दिया गया है और चप्पे-चप्पे पर भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। इसी सुरक्षा घेरे के तहत सुहेलदेव आर्मी के अध्यक्ष योगेश पासी के घर के बाहर भी भारी पुलिस का पहरा बिठा दिया गया है, ताकि वे बाहर निकलकर किसी आंदोलन या प्रदर्शन का नेतृत्व न कर सकें। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन इलाके में भारी पुलिस बल की मौजूदगी के कारण जबरदस्त सरगर्मी और सन्नाटा पसरा हुआ है।

## चतुर्थ बड़े मंगलवार पर नगर में भंडारों और पूजा का उत्साह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लालगंज (रायबरेली)।** ज्येष्ठ माह के चतुर्थ बड़े मंगलवार पर नगर और आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा। जगह जगह भंडारों का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान बजरंगबली की पूजा अर्चना कर प्रसाद वितरित किया। नई बाजार मोहल्ले में जगन्नाथ सोनी के संयोजन में भंडारे का आयोजन हुआ। देर शाम तक चले भंडारे में श्रद्धालुओं को खीर, पूड़ी, सब्जी और पुलाव का प्रसाद बांटा गया। कोतवाली परिसर के सामने प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने भंडारे का शुभारंभ किया। चालक वीरेंद्र यादव की अगुवाई में पुलिस कर्मियों ने श्रद्धालुओं को शरबत वितरित किया। तहसील परिसर स्थित मंदिर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ। अधिवक्ता संघ के पूर्व महामंत्री दल बहादुर सिंह की अगुवाई में अधिवक्ताओं ने सामूहिक पाठ किया। इसके बाद प्रसाद वितरित किया गया।मंगलवार को बेहटा चौराहा स्थित हनुमान मंदिर, निराला नगर के बजरंगबली मंदिर, आलमपुर के पंचमुखी हनुमान मंदिर, सब्जी मंडी और मलपुरा गांव के बालाजी मंदिर में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। शाम को गर्मी कम होने पर बड़ी संख्या में भक्त मंदिरों में पहुंचे और विधि विधान से पूजा अर्चना कर जीवन में सुख समृद्धि की कामना की।

## नापदान के विवाद में युवक को पीटा, हालत गंभीर

**लालगंज (रायबरेली)।** कोतवाली क्षेत्र के सैमसी गांव में सोमवार को नापदान के विवाद में चार लोगों ने एक युवक की जमकर पिटाई कर दी। इससे उसकी हालत बिगड़ गई। उसे इलाज के लिए सीएचसी लाया गया। जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घायल युवक की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है। गांव निवासिनी गुड्डू देवी ने बताया कि नापदान के विवाद को लेकर गांव के ही बबलू, इंदल, आकाश व पूती ने गाली गलौज करते हुए उसके बेटे अजय प्रकाश को लाठी डंडों से पीट दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए सीएचसी जाया गया। जहां से उसे जिला अस्पताल भेजा गया है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित महिला की तहरीर पर चार लोगों के विरुद्ध मारपीट की धाराओं में केस दर्ज कार्यवाही की जा रही है।

## आंधी में गिरी नीम की डाल काटने पर दंपति को लाठी डंडों से पीटा

**लालगंज (रायबरेली)।** कोतवाली क्षेत्र के डकौली मजरे ऐहार गांव में आंधी में गिरी नीम की डाल काटना एक दंपति को भारी पड़ गया। मामूली बात को लेकर हुए विवाद में दबंगों ने पति-पत्नी की लाठी-डंडों से जमकर पिटाई कर दी। इससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने तीन नामजद समेत चार पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव निवासी जयसिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि आंधी के दौरान उनके दरवाजे पर नीम का पेड़ गिर गया था। वह उसकी डाल काट रहे थे, तभी गांव के उमाकांत, उनके बेटे राजू और पत्नी निर्मला ने चार-पांच अन्य लोगों के साथ मिलकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। जयसिंह ने बताया कि शोर सुनकर बचाने आई उनकी पत्नी मोनिका को भी आरोपियों ने बेरहमी से पीट दिया। मारपीट में दोनों घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर तीन नामजद और चार-पांच अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

## तहसीलदार न्यायालय के बहिष्कार पर अड़े अधिवक्ता, मनमानी के लगाए आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लालगंज (रायबरेली)।** बैसवारा अधिवक्ता एसोसिएशन और तहसीलदार के बीच चल रहा गतिरोध मंगलवार को भी खत्म नहीं हो सका। अधिवक्ताओं ने बैठक कर तहसीलदार न्यायालय के बहिष्कार को जारी रखने का निर्णय लिया। इससे तहसील परिसर में न्यायिक कार्य प्रभावित रहे। बैठक संगठन के अध्यक्ष चौधरी राजेंद्रनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई। इसमें बड़ी संख्या में अधिवक्ता शामिल हुए। अधिवक्ताओं ने तहसीलदार न्यायालय में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उनका कहना था कि न्यायालय में पारदर्शिता नहीं दिखाई दे रही है। इससे वादकारियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि तहसीलदार का रवैया मनमानीपूर्ण है। इससे आम लोगों के मामलों का समय से निस्तारण नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि जब न्यायालय में निष्पक्ष व्यवस्था नहीं होगी तो लोगों को न्याय कैसे मिलेगा। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि इससे पहले भी संगठन ने कुछ आदेशों और कार्यप्रणाली को लेकर विरोध जताया था। उस समय तहसीलदार की ओर से ऐसी स्थिति दोबारा न बनने का आश्वासन दिया गया था। इसके बावजूद हालात में सुधार नहीं हुआ। इसी कारण अधिवक्ताओं में फिर नाराजगी बढ़ गई है।बैठक में सर्वसम्मति से तहसीलदार न्यायालय के साथ नायब तहसीलदार खीरो न्यायालय के बहिष्कार को भी जारी रखने का निर्णय लिया गया। अधिवक्ताओं ने कहा कि जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होगा आंदोलन जारी रहेगा। बैठक में संगठन के महामंत्री सुरेश निगम, वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेश त्रिवेदी, दलबहादुर, संजय अवस्थी, रामनारायण श्रीवास्तव, वीरेंद्र, हिमांशु श्रीवास्तव सहित तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे।

स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा
ब्रेकिंग न्यूज़

# कसमंडी किला-मस्जिद विवाद में बढ़ा तनाव

**● .....सुहेलदेव आर्मी प्रमुख योगेश पासी की खुली चुनौती के बाद प्रशासन अलर्ट**

**.....अगर कुर्बानी या नमाज़ होगी अदा, तो सूअर काटेंगे - योगेश पासी**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ।** मलिहाबाद क्षेत्र के कसमंडी में चल रहे किला और मस्जिद विवाद ने अब नया मोड़ ले लिया है। बकरीद से ठीक दो दिन पहले सुहेलदेव आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश पासी के एक विवादित बयान के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बनता दिखाई दे रहा है। प्रशासन ने हालात की गंभीरता को देखते हुए कसमंडी और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके के सभी प्रमुख रास्तों पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती कर दी गई है। जानकारी के अनुसार कसमंडी स्थित विवादित स्थल को लेकर पिछले कुछ समय से लगातार विवाद बना हुआ है। इसी बीच सुहेलदेव आर्मी प्रमुख योगेश पासी ने खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि बकरीद के मौके पर विवादित स्थल पर किसी प्रकार की नमाज अदा की गई या कुर्बानी दी गई, तो उनकी ओर से वहां सूअर काटने का काम किया जाएगा। इस बयान के सामने आने के बाद मामला और अधिक संवेदनशील हो गया है तथा क्षेत्र में राजनीतिक और सामाजिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। बताया जा रहा है कि पिछले शुक्रवार को विवादित स्थल पर नमाज पढ़ी गई थी, जिसके बाद सुहेलदेव आर्मी प्रमुख योगेश पासी अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंचे थे और हनुमान चालीसा का पाठ किया था। उस समय भी क्षेत्र में भारी पुलिस बल की मौजूदगी रही थी। अब बकरीद के नजदीक आते ही एक बार फिर यह मामला चर्चा के केंद्र में आ गया है। प्रशासन किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचने के लिए पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। कसमंडी की ओर जाने वाले मार्गों पर पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है और आने-जाने वाले लोगों पर भी नजर रखी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि किसी को भी कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी और शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

**मौलाना और मदरसा को लेकर भी उठे सवाल**

स्थानीय लोगों के अनुसार बहराइच निवासी मौलाना जमील अहमद पिछले करीब डेढ़ वर्ष से कसमंडी स्थित इस किले पर लगातार नमाज पढ़ाता था। बताया जा रहा है कि उसने वहीं 'सुलेमानिया' नाम से एक मदरसा भी संचालित करना शुरू कर दिया था, जहां माल क्षेत्र के नबीपनाह गांव की मुस्लिम नट बिरादरी के लगभग 20 से 25 बच्चों को धार्मिक शिक्षा दी जाती थी। मामले के तूल पकड़ने के बाद मौलाना जमील अहमद फिलहाल फरार बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि किसी प्रकार की अनियमितता या नियमों का उल्लंघन सामने आता है तो संबंधित लोगों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं प्रशासन की ओर से फिलहाल पूरे प्रकरण पर नजर बनाए रखी जा रही है और इलाके में शांति बनाए रखने की अपील की जा रही है।

## आंधी-तूफान का कहर, छप्पर व दीवार गिरने से बुजुर्ग की मौत, बहू घायल

**● रंडा लच्छीपुर गांव में मची चीख-पुकार, मलबे में दबने से 65 वर्षीय मूलचंद्र ने तोड़ा दम**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**महमूदाबाद, सीतापुर-** जनपद के सदरपुर थाना क्षेत्र में सोमवार की शाम आया भीषण आंधी-तूफान एक परिवार के लिए काल बन गया। तेज हवाओं के झोंके से एक मकान की पक्की दीवार छप्पर सहित भरभराकर गिर गई। इस हादसे की चपेट में आने से छप्पर के नीचे सो रहे एक 65 वर्षीय बुजुर्ग की मलबे में दबकर दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनकी पुत्रवधू गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद से गांव में मातम का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सदरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम रंडा लच्छीपुर में सोमवार की रात रोजमर्रा की तरह जीवन चल रहा था। गांव के निवासी मूलचंद्र (65 वर्ष) पुत्र नंदा रात का भोजन करने के बाद अपने घर के आंगन में सो रहे थे। घर की एक पक्की दीवार के सहारे छप्पर (टीन/फूस का सायबान) टिका हुआ था, जिसके नीचे मूलचंद्र लेटे हुए थे। उसी छप्पर के दूसरे छोर पर उनकी पुत्रवधू भी सो रही थी। देर शाम अचानक मौसम का मिजाज बदला और धूलभरी आंधी के साथ तूफाननुमा तेज हवाएं चलने लगीं। आंधी का वेग इतना भीषण था कि उसने पक्की दीवार को हिलाकर रख दिया। देखते ही देखते वह पक्की दीवार छप्पर समेत ढह गई और सीधे नीचे सो रहे दोनों लोगों पर जा गिरी। चश्मदीदों के अनुसार धमाके की आवाज सुनकर जब तक आसपास के लोग मौके पर दौड़े और मलबे को हटाना शुरू किया, तब तक मलबे के भारी वजन और दम घुटने के कारण बुजुर्ग मूलचंद्र की सांसें थम चुकी थीं। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद मलबे में दबी पुत्रवधू को बाहर निकाला। वह इस हादसे में गंभीर रूप से चोटिल हो गई थीं। आनन-फानन में ग्रामीणों ने सूचना देकर एंबुलेंस बुलाई, जिसके जरिए घायल महिला को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) महमूदाबाद ले जाया गया। वहां डॉक्टरों की टीम ने मुस्तैदी से उनका प्राथमिक उपचार किया। राहत की

बात यह रही कि महिला की स्थिति खतरे से बाहर होने के कारण प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें घर वापस भेज दिया गया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय सदरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और ग्रामीणों व परिजनों से पूछताछ की। इसके बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए मृतक मूलचंद्र के शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय सीतापुर भेज दिया गया है। इस दैवीय आपदा और बुजुर्ग की असमय मौत से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे रंडा लच्छीपुर गांव में इस घटना से गहरा सन्नाटा और शोक पसरा हुआ है।

## डिजिटल इंडिया में बांस-बल्लियों के भरोसे बिजली

**● आंधी में टूटे तार तो धरने पर बैठे तंबौरवासी**

**एज्जा के नेतृत्व मे घेरा विद्युत उपकेंद्र,चालू हुई विद्युत सप्लाई**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**तंबौर (सीतापुर)।** एक तरफ देश में 'डिजिटल इंडिया' का डंका बजाया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ आदर्श नगर पंचायत तंबौर का वार्ड 'अहमदाबाद पश्चिमी' आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए आदिम युग में जीने को मजबूर है। इस आधुनिक दौर में भी यहाँ के घरों तक बिजली लोहे के पोल से नहीं, बल्कि बांस-बल्लियों के जुगाड़ के सहारे पहुँचती है।बीती रात क्षेत्र में आई तेज आंधी और पानी ने विद्युत विभाग के इस 'बांस वाले जुगाड़' को उखाड़ फेंका, जिससे पूरा मोहल्ला घोर अंधेरे में डूब गया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि वे नगर पंचायत से लेकर विद्युत विभाग के चक्कर काटकर थक चुके हैं और कई बार पक्के पोल लगाने की गुहार लगा चुके हैं, लेकिन प्रशासनिक अफसरों के कान पर जूं तक नहीं रेंगी।प्रशासन की इस बेरुखी से तंग आकर आखिरकार मोहल्लेवासियों ने खुद कमान संभाली। लोगों ने जमीन पर गिरे बांसों को दोबारा खड़ा किया, लेकिन विद्युत विभाग को लगातार सूचना देने के बाद भी कोई लाइनमैन या कर्मचारी जमीन पर फैले खतरनाक तारों को ठीक करने नहीं पहुंचा।

**ऑल इंडियन प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिशन के नेतृत्व में घेरा विद्युत उपकेंद्र**

विद्युत विभाग की इस घोर लापरवाही से परेशान होकर मोहल्ले के लोग ऑल इंडियन प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन ( Aipja ) के मीडिया प्रभारी खालिद मंसूरी के नेतृत्व में विद्युत उपकेंद्र पहुंच गए और धरने पर बैठ गए। उपभोक्ताओं के आक्रोश और धरने को देखकर विद्युत विभाग में हड़कंप मच गया, जिसके बाद आनन-फानन में कर्मियों को भेजकर जमीन पर पड़े तारों को जुड़वाया गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए अवर अभियंता विधुत आकाश वर्मा ने आक्रोशित जनता को आश्वासन दिया है कि अगले 15 दिनों के भीतर मोहल्ले में पक्के विद्युत पोल लगा दिए जाएंगे और इस समस्या का स्थायी समाधान कर दिया जाएगा।इस प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में मोहल्लेवासी और ऑल इंडियन प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

## अखिल भारतीय प्रधान संघ की मिश्रित ब्लाक अध्यक्ष ने सभी ग्राम प्रधानों को दी हार्दिक बधाई

**मिश्रित सीतापुर/** प्रदेश में ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 25 मई को समाप्त हो चुका है। परन्तु प्रदेश शासन व्दारा चुनाव न कराकर उनको ही प्रशासक के रूप में नियुक्त करके विकास कार्य कराने के निर्देश जारी किए गए है । ग्राम प्रधानों का कहना है । कि शासन द्वारा ऐसा प्रस्ताव पंचायतीराज विभाग में पहली बार हुआ है । प्रदेश शासन व्दारा यह साफ कर दिया गया है । कि ग्राम प्रधानों का चुनाव 2027 में कराया जाएगा । प्रदेश शासन के प्रस्ताव को लेकर प्रधानों में खुशी का माहौल ब्याप्त है । विकासखंड मिश्रित की ग्राम पंचायत पतौंजा निवासिनी महिला ग्राम प्रधान व अखिल भारतीय प्रधान संघ की अध्यक्ष ब्लाक अध्यक्ष मुन्नी देवी ने प्रदेश शासन के प्रस्ताव का सम्मान करते हुए विकासखंड मिश्रित के सभी सम्मानित ग्राम प्रधानों को हार्दिक बधाई दी है।

## खैराबाद दर्पण पुस्तिका पूरे क़स्बे को अपने अन्दर समाहित किए हुए है

**● मैंने सदैव सभी धर्मों एवं संप्रदाय का सम्मान किया:- लियाक़त अली एम ए**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**खैराबाद सीतापुर-** स्थानीय क़स्बा खैराबाद के सामाजिक एवं राजनीतिक ख्याति प्राप्त शिक्षा विद लियाक़त अली एम ए द्वारा लिखित पुस्तक खैराबाद खैराबाद दर्पण का प्रकाशन 2017 में हुआ था इस पुस्तक को लिखने में पूरे क़स्बे का वर्णन किया गया यह ऐतिहासिक किताब 420 पृष्ठों पर आधारित है जबकि इसमें 80 विषयों पर विस्तार से विवरण लेखक ने किया है। जिसमें पूरे क़स्बे में संचालित विद्यालयों, मदरसों,कॉलेजों दरगाहों मंदिर मस्जिद धर्मशालाएं खानकाहों का तथा ऐतिहासिक इमारतों तालाबों आदि का वर्णन भी किया गया है। विगत दिनों स्थानीय अल्लामा फ़ज़ले हक़ खैराबादी मेमोरियल कॉलेज के संस्थापक संचालक एवं शिक्षक तथा उर्दू टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के ज़िला महामंत्री एवं पूर्व माध्यमिक जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ खैराबाद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष काजिम हुसैन एक शिष्टाचार मुलाक़ात हेतु श्री लियाक़त अली एम ए के घर पहुंचे जहां पर दीनी ,साहित्यिक सामाजिक एवं शैक्षिक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई इस अवसर पर श्री अंसारी ने श्री हुसैन को एक पुस्तक भेंट करते हुए कहा कि इसके प्रकाशन में मेरी जिंदगी के तमाम तथ्य छुपे हुए हैं इसको लिखने में तथा इसका मैटिरियल इकठ्ठा करने मुझे ग्यारह साल का लम्बा समय लगा लेकिन मन को शांति बहुत मिली। उन्होंने कहा कि इसमें सभी दरगाहों के सज्जादानशीन, हिन्दू मुस्लिम के धर्म गुरुओं तथा सभी संगतो के महंत और विद्यालयों के प्रबंधकों, प्रधानाचार्यो, एवं शिक्षकों ने बहुत सहयोग किया जिसका मै हमेशा आभारी रहूंगा। काजिम हुसैन ने कहा कि श्री लियाक़त अली सदैव शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ साथ बालिका शिक्षा को मज़बूत करने पर हमेशा ज़ोर दिया उनका कहना है कि एक बालिका के शिक्षित होने से पूरा समाज तो लाभान्वित होता ही है बल्कि दो परिवार मज़बूत होते हैं पुस्तक भेंट करने के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया तथा यह भी कहा कि इस किताब को पूर्व सांसद

स्वर्गीय मोहसिना क़िदवई ,पूर्व अध्यक्ष हाजी मोहम्मद हनीफ़ अंसारी, हाजी जलीस अंसारी, क़मर आलम पूर्व अध्यक्ष नियंत्रण बोर्ड महिला एवं बाल विकास, शिया पी जी कॉलेज लखनऊ के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष उच्च शिक्षा सेवा चयन बोर्ड इलाहाबाद डॉक्टर फ़िदा हुसैन अंसारी एवं अन्य सामाजिक राजनीतिक,धार्मिक सदस्यों द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है काजिम हुसैन के साथ में उनके सुपुत्र हमज़ा सिद्दीकी भी साथ में थे उन्हें भी श्री लियाक़त अली एम ए ने आशीर्वाद स्वरूप पुस्तक देकर गौरवान्वित किया।

## बीमारी से परेशान बुजुर्ग ने लाइसेंसी बन्दूक से खुद को मारी गोली, मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**महमदाबाद, सीतापुर।** कोतवाली क्षेत्र के मरहमतनगर गांव में मंगलवार की सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां लंबे समय से गंभीर बीमारी और शारीरिक लाचारी से जूझ रहे एक 60 वर्षीय बुजुर्ग ने अपनी लाइसेंसी बन्दूक से खुद को गोली मारकर जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मरहमतनगर निवासी राकेश मिश्रा (60) अपने परिजनों के साथ रह रहे थे। वह पिछले काफी समय से बेहद बीमार चल रहे थे। बताया जा रहा है कि बीमारी के कारण उनके शरीर का निचला हिस्सा पूरी तरह से पैरालिसिस (लकवा) का शिकार हो चुका था। शारीरिक अक्षमता और लाचारी के चलते वह गहरे मानसिक तनाव और अवसाद में थे। इसी परेशानी के कारण सोमवार की रात या मंगलवार की सुबह के बीच किसी समय उन्होंने घर में रखी अपनी ही लाइसेंसी बन्दूक से खुद को गोली मार ली। गोली लगते ही मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे जब परिजन घर के बाहर आए, तो उन्होंने राकेश मिश्रा का लहूलुहान शव बाहर बिछी चारपाई पर पड़ा देखा। शव को देखते ही परिजनों के होश उड़ गए और घर में कोहराम मच गया। चीख-पुकार सुनकर देखते ही देखते ग्रामीणों की भारी भीड़ वहां एकत्र हो गई। आनंद-फानन में ग्रामीणों द्वारा स्थानीय पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। बुजुर्ग लंबे समय से बीमार थे और उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। फिलहाल परिजनों की ओर से कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है, लेकिन पुलिस अपने स्तर से मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम (पीएम) के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। हालांकि, शुरुआत में परिजन शव का पोस्टमार्टम कराने के पक्ष में नहीं थे, लेकिन मामला गोलीकांड से जुड़ा होने के कारण पुलिस ने एहतियातन और कानूनी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि बन्दूक किसकी थी और घटना के समय घर के अन्य सदस्य कहां थे।

## संक्षिप्त खबरें

### लाहौर में नहीं होगा कृष्णा नगर? कट्टरपंथियों के आगे झुकी पाकिस्तान सरकार

**दिल्ली।** पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने कट्टरपंथियों के दबाव में आकर लाहौर की ऐतिहासिक सड़कों और गलियों के पुराने नाम बहाल करने की योजना को फिलहाल टाल दिया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य विभाजन से पहले की सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करना था, लेकिन विरोध के बाद सरकार अपने कदम पीछे खींचने को मजबूर हो गई। 'लाहौर हेरिटेज एरियाज रिवाइवल' की बैठक में पीएमएल-एन प्रमुख नवाज शरीफ और पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने इस ऐतिहासिक फैसले को मंजूरी दी थी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने 20 मार्च को इसका आधिकारिक बयान भी जारी किया था। इस योजना के तहत विभाजन से पहले के हिंदू और सिख नामों वाली सड़कों (जैसे लक्ष्मी चौक, कृष्ण नगर, राम गली, और संत नगर) के मूल नाम वापस लौटाए जाने थे। फैसले की घोषणा के बाद कट्टरपंथी तत्वों और कुछ ब्लागर्स ने इसे धार्मिक रंग देते हुए मरियम नवाज सरकार की तीखी आलोचना शुरू कर दी। इस विरोध और संभावित तनाव से डरकर सरकार बैकफुट पर आ गई। हालांकि, लाहौर के डिप्टी कमिश्नर मुहम्मद अली इज्जाज ने इसे 'यू-टर्न' मानने से इन्कार करते हुए कहा कि मामला अभी केवल चर्चा के चरण में है और अंतिम फैसला होना बाकी है।

### सांसों पर संकट, फंड अलमारी में! दिल्ली में प्रदूषण रोकने का 75% बजट पड़ा बेकार

**दिल्ली।** सूचना का अधिकार (आरटीआइ) के तहत मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली में राष्ट्रीय स्वच्छ हवा कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत जारी किए गए फंड का 75 प्रतिशत हिस्सा अभी तक इस्तेमाल नहीं हो पाया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के एक हालिया निरीक्षण में यह सच सामने आया है और शहर में प्रदूषण विरोधी कार्यों में कई कमियां भी पाई गई हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण उपायों के लिए निविदाएं पहले से ही तैयार हैं। जैसे ही वर्क आर्डर पास होंगे, फंड का उपयोग कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि शहर में प्रदूषण कम करने के लिए कचरा उठाने वाली मशीनों सहित विभिन्न परियोजनाओं के लिए टेंडर जारी किए जा चुके हैं। पर्यावरण कार्यकर्ता अमित गुप्ता द्वारा दायर आरटीआइ से पता चला है कि छह मई को सीपीसीबी द्वारा किए गए निरीक्षण में फंड के धीमे इस्तेमाल, पिछली सिफारिशों पर खराब अमल और प्रदूषण के हाटस्पाट वाले इलाकों में अधूरे काम की बात सामने आई है। जवाब के अनुसार, फुटपाथों को पक्का करना, हरियाली बढ़ाना और सड़कों की यांत्रिक सफाई जैसे काम संतोषजनक पाए गए। हालांकि दिल्ली 75 प्रतिशत फंड का उपयोग करने में विफल रही, जिसका मुख्य कारण टेंडर से जुड़े कार्यों में देरी रही। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 के लिए फंड हासिल करने की नौ शर्तों में से केवल फंड इस्तेमाल करने की शर्त अधूरी रही। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पहले के निरीक्षणों के दौरान दिए गए सुझावों को संबंधित एजेंसियों द्वारा ठीक से लागू नहीं किया गया। प्रदूषण नियंत्रण के उपाय अभी तक सभी चिन्हित हाटस्पाट में शुरू नहीं हो पाए हैं। इस बीच, पर्यावरण मंत्री सिरसा ने यह भी जोड़ा कि दिल्ली सरकार ने प्रदूषण को कम करने के लिए अतिरिक्त 300 करोड़ रुपये का प्रविधान किया है और इस साल प्रदूषण नियंत्रण के लिए आवंटित सभी फंड का पूरी तरह उपयोग कर लिया जाएगा।

# अब्राहम समझौते पर बुरे फंसा पाकिस्तान

**● पाकिस्तान अब्राहम समझौते में शामिल होने से इनकार कर रहा है, जिससे वह अमेरिका और अपनी फलस्तीन नीति के बीच मुश्किल स्थिति में फंस गया है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इजरायल को मान्यता न देने की बात दोहराई है।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**नई दिल्ली।** ईरान और अमेरिका के बीच तनाव कम कराने की कोशिशों में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा पाकिस्तान अब खुद पश्चिम एशिया की नई कूटनीतिक राजनीति के बीच मुश्किल स्थिति में फंसता दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने हाल में पश्चिम एशिया में व्यापक शांति व्यवस्था के हिस्से के रूप में मुस्लिम और अरब देशों से अब्राहम समझौते में शामिल होने की अपील की थी, लेकिन पाकिस्तान ने फिलहाल इससे दूरी बना ली है।

**अब्राहम समझौते में शामिल होने का सवाल ही नहीं- ख्वाजा आसिफ**

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने स्पष्ट किया है कि इस्लामाबाद ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगा, जो उसकी घोषित विदेश नीति और फलस्तीन पर उसके पारंपरिक रुख के खिलाफ हो। समा टीवी को दिए साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इजरायल को मान्यता नहीं देता और फिलहाल अब्राहम समझौते में शामिल होने का सवाल ही नहीं उठता। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान का रुख वर्षों से स्पष्ट रहा है कि जब तक 1967 से पहले की सीमाओं के आधार पर पूर्वी यरूशलम को राजधानी बनाकर स्वतंत्र फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना नहीं होती, तब तक इजरायल के साथ संबंध सामान्य नहीं किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान के पासपोर्ट पर आज भी इजरायल यात्रा मान्य नहीं है, जो इस नीति का प्रतीक है। रक्षा मंत्री ने इजरायल पर भरोसे को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ऐसे पक्ष के साथ स्थायी समझौता करना कठिन है, जिसके रुख पर लगातार संदेह बना रहता हो। हालांकि उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यह केवल व्यक्तिगत राय नहीं, बल्कि पाकिस्तान की स्थापित राष्ट्रीय नीति है।

**2020 में अमेरिका की मध्यस्थता हुआ अब्राहम समझौता**

अब्राहम समझौते 2020 में अमेरिका की मध्यस्थता से शुरू हुए थे, जिनके तहत संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, मोरक्को और सूडान जैसे देशों ने इजरायल के साथ संबंध सामान्य किए थे। ट्रंप प्रशासन अब ईरान के साथ संभावित समझौते और क्षेत्रीय स्थिरता को इसी ढांचे से जोड़कर देख रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि पाकिस्तान खुलकर इस पहल का विरोध करता है तो उसके अमेरिका के साथ संबंधों पर असर पड़ सकता है। दूसरी ओर, घरेलू राजनीति, धार्मिक समूहों और फलस्तीन समर्थक जनमत को देखते हुए इस्लामाबाद के लिए अब्राहम समझौते का समर्थन करना भी आसान नहीं है। यही वजह है कि पाकिस्तान की स्थिति 'इधर कुआं, उधर खाई' जैसी मानी जा रही है।

**सऊदी अरब का रुख भी अहम**

पश्चिम एशिया में सऊदी अरब की स्थिति भी पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। रियाद ने अब तक इजरायल के साथ संबंध सामान्य करने को फलस्तीनी समाधान से जोड़ा है। माना जा रहा है कि यदि भविष्य में सऊदी अरब अब्राहम समझौते की दिशा में आगे बढ़ता है तो पाकिस्तान पर भी कूटनीतिक दबाव बढ़ सकता है।

**चीन के साथ रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने पर जोर**

इसी बीच पाकिस्तान ने चीन के साथ अपने रणनीतिक संबंध और मजबूत करने का संकेत दिया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की 23 से 26 मई तक की चीन यात्रा के बाद जारी संयुक्त बयान में दोनों देशों ने साझा भविष्य के निर्माण और द्विपक्षीय संबंधों की दृढ़ता से रक्षा करने पर सहमति जताई। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मुलाकात राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री ली कियांग से हुई। संयुक्त बयान में कहा गया कि पाकिस्तान ने पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता को लेकर राष्ट्रपति शी चिनफिंग के प्रस्तावों का समर्थन किया है। वहीं चीन ने अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम कराने तथा इस्लामाबाद वार्ता आयोजित करने में पाकिस्तान की भूमिका की सराहना की। दोनों देशों ने खाड़ी क्षेत्र में स्थिरता बहाल करने के लिए पांच सूत्रीय पहल को आगे बढ़ाने पर भी सहमति जताई।

# स्वराज विद्यापीठ की गोष्ठी

**● प्रतिबंधित पत्रकारिता ने भारतीय समाज की स्मृति, भाषा गौरव और आत्मसम्मान को संरक्षित किया : संतोष भदौरिया**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**ब्यूरो प्रयागराज।** 24 मई 2026 को स्वराज विद्यापीठ में 'औपनिवेशिक राज और प्रतिबंधित पत्रकारिता' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में हिन्दी पत्रकारिता की ऐतिहासिक भूमिका और उसके संघर्षशील स्वरूप पर गंभीर एवं विचारोत्तेजक चर्चा हुई। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रो. सन्तोष भदौरिया ने अपने वक्तव्य में कहा कि अंग्रेज़ी शासनकाल में हिन्दी पत्रकारिता केवल समाचारों के संप्रेषण का माध्यम नहीं थी, बल्कि वह भारतीय समाज की चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता और स्वाधीनता के स्वप्न की वाहक बन चुकी थी। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश सत्ता भारतीय भाषाओं, विशेषकर हिन्दी पत्रकारिता की शक्ति और उसके जनप्रभाव को भलीभाँति समझती थी, इसी कारण उसने 'वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट' जैसे दमनकारी कानूनों के माध्यम से भारतीय भाषाई पत्रकारिता को नियंत्रित और प्रतिबंधित करने का प्रयास किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में यह भी रेखांकित किया कि उस समय हिन्दी पत्रकारिता ने भय और दमन के वातावरण में भी जनचेतना की लौ को बुझने नहीं दिया। हिन्दी के अनेक समाचारपत्रों और संपादकों ने आर्थिक कठिनाइयों, सरकारी दमन और प्रतिबंधों के बावजूद अपनी लेखनी को राष्ट्रीय अस्मिता और स्वतंत्रता चेतना का माध्यम बनाए रखा। सन्तोष भदौरिया ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता ने केवल राजनीतिक प्रतिरोध नहीं किया, बल्कि उसने भारतीय समाज की स्मृति, भाषा-गौरव और आत्मसम्मान को भी सुरक्षित रखने का कार्य किया। उनके अनुसार, हिन्दी पत्रकारिता भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की वैचारिक शक्ति थी, जिसने जनता को संगठित कर उनमें स्वराज और आत्मविश्वास की भावना जागृत की। संगोष्ठी का संचालन डॉ स्वप्निल श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में प्रो. रमा चरण त्रिपाठी, प्रो. घोष,श्रीमती सुमन शर्मा, असरार गाँधी, संजय पाण्डेय,आनंद मालवीय, डॉ. हेमराज डोगरा, डॉ. शमेनाज़ शेख,मोहनलाल यादव,डॉ सुदीप तिर्की सहित अनेक शिक्षाविदों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। उपस्थित वक्ताओं और प्रतिभागियों ने हिन्दी पत्रकारिता की ऐतिहासिक भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रतिबंधों और दमन के कठिन दौर में भी हिन्दी पत्रकारिता ने भारतीय समाज को वैचारिक दिशा, सांस्कृतिक आधार और राष्ट्रीय चेतना प्रदान की। संगोष्ठी का वातावरण गंभीर वैचारिक संवाद और ऐतिहासिक चेतना से परिपूर्ण रहा।

## संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-63 में कैडेट्स को दिया गया अग्निशमन एवं नागरिक सुरक्षा का विशेष प्रशिक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**ब्यूरो प्रयागराज-** एन सी सी ग्रुप मुख्यालय प्रयागराज के तत्वावधान में 16 यूपी बटालियन एन.सी.सी. प्रयागराज के नेतृत्व में संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-63 का आयोजन 20 मई 2026 से 29 मई 2026 तक बी.बी.एस. विद्या मन्दिर, कादिलपुर, प्रयागराज में संचालित किया जा रहा है। शिविर के छठवें दिवस नागरिक सुरक्षा प्रयागराज के उपनियंत्रक नीरज मिश्रा एवं सहायक उप नियंत्रक राकेश कुमार तिवारी विशेष अग्निशमन एवं नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण हेतु शिविर में उपस्थित हुए। प्रशिक्षण सत्र के दौरान कैडेट्स को अग्निशमन नियंत्रण, आपदा प्रबंधन, आपातकालीन परिस्थितियों में बचाव कार्य एवं सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विशेषज्ञों द्वारा कैडेट्स को अग्निशमन उपकरणों के उपयोग एवं त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान कैडेट्स ने अत्यंत उत्साह एवं गंभीरता के साथ सहभागिता करते हुए नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

शिविर प्रशासन द्वारा समय-समय पर ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कैडेट्स को आपात परिस्थितियों में सेवा एवं नेतृत्व के लिए तैयार किया जा रहा है। इस अवसर पर कैम्प कमांडेंट कर्नल निशांत बरियार, डिप्टी कैम्प कमांडेंट मेजर संतोष जायसवाल, कैम्प सूबेदार मेजर सीताराम, ट्रेनिंग जेसीओ सूबेदार कृपाल सिंह एवं कैम्प बी.एच.एम./सी.एच.एम. किशोरी लाल उपस्थित रहे।

## गांजे का जखीरा बरामद, एसएसबी- बिहार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से एक तस्कर गिरफ्तार

**बेतिया।** नरकटियागंज में 44वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल की सतर्कता और बिहार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर गांजा तस्करी का बड़ा खुलासा हुआ है। पचरोता सी-समवाय क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर सीमा स्तंभ संख्या 431/2 बिरांची गांव के समीप संयुक्त गश्ती के दौरान नेपाल से भारत की ओर आ रहे एक संदिग्ध बाइक सवार को रोका गया। तलाशी लेने पर उसके पास से 9 किलो 66 ग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। पकड़े गए तस्कर की पहचान रामकिशन यादव, उम्र 30 वर्ष, पिता अशर्फी यादव, निवासी मलदहिया पोस्ट पोखरिया जिला पश्चिम चंपारण के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया कि वह नेपाल से गांजा लाकर भारत में बेचने की फिराक में था और इसके जरिए मोटी कमाई करना चाहता था। एसएसबी मुख्य आरक्षी संजय कुमार दत्ता की टीम और बिहार पुलिस की इस कार्रवाई से सीमा क्षेत्र में तस्करों के बीच हड़कंप मच गया है। बरामद गांजा, मोटरसाइकिल और गिरफ्तार तस्कर को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मानपुर थाना को सौंप दिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एसएसबी की लगातार सख्ती और सक्रिय गश्त के कारण सीमा पर अवैध गतिविधियों पर लगाम लगी है। तस्करी में शामिल लोगों में डर का माहौल है और सीमावर्ती इलाकों में अवैध कारोबार में लगातार गिरावट देखी जा रही है।

# गंगा दशहरा पर संगमनगरी में मुख्यमंत्री योगी ने की माँ गंगा की आरती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**प्रयागराज।** गंगा दशहरा के पावन अवसर पर मंगलवार को संगमनगरी प्रयागराज भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंगी नजर आई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंगा तट पहुंचकर विधि-विधान से माँ गंगा का पूजन-अर्चन किया तथा भव्य गंगा आरती में शामिल होकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पूरे गंगा घाट क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। शाम होते ही घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और दीपों की अलौकिक रोशनी के बीच आयोजित गंगा आरती ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माँ गंगा को पुष्प, दीप और दुग्ध अर्पित कर प्रदेश की खुशहाली एवं जनकल्याण की प्रार्थना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि माँ गंगा भारतीय संस्कृति, आस्था और जीवन की आधार हैं। गंगा केवल एक नदी नहीं बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गंगा की स्वच्छता, अविरलता और घाटों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रयागराज सहित गंगा किनारे बसे सभी शहरों में व्यापक विकास कार्य कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं को गंगा दशहरा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व भारतीय सनातन परंपरा और संस्कृति को मजबूत करने का संदेश देता है। उन्होंने लोगों से गंगा की स्वच्छता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण

में सहयोग करने की अपील भी की। गंगा आरती के दौरान पूरा घाट 'हर-हर गंगे' और 'जय माँ गंगे' के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने दीपदान कर माँ गंगा से सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, संत-महात्मा तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

## हाईवे पर गैस से भरा टैंकर पलटा, बड़ा हादसा टला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लंभुआ, सुल्तानपुर।** लखनऊ-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार को दियरा अंडरपास ब्रिज के पास गैस से भरा इंडेन टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, हालांकि गनीमत रही कि टैंकर में आग नहीं लगी और चालक बाल-बाल बच गया। जानकारी के अनुसार प्रतापगढ़ निवासी चालक शैलेंद्र लखनऊ से वाराणसी की ओर इंडेन गैस से भरा टैंकर लेकर जा रहा था। चालक के मुताबिक दियरा अंडरपास के समीप पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रेलर ने ओवरटेक किया। ट्रेलर को बचाने के प्रयास में टैंकर अनियंत्रित हो गया और डिवाइडर पार करते हुए दूसरी लेन में जाकर पलट गया। हादसे की सूचना मिलते ही लंभुआ कोतवाली पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई। गैस से भरा टैंकर पलटने के कारण सुरक्षा के मद्देनजर हाईवे पर दोनों तरफ का यातायात कुछ देर के लिए रोक दिया गया।

पुलिस ने आसपास के क्षेत्र की घेराबंदी कर लोगों को दूर रहने की हिदायत दी। फायर विभाग की टीम गैस रिसाव की जांच में जुटी रही, जबकि क्रेन की मदद से टैंकर को सीधा करने का कार्य शुरू कराया गया। विशेषज्ञ टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। पुलिस के अनुसार चालक पूरी तरह सुरक्षित है और फरार ट्रेलर की तलाश की जा रही है।

## संन्यास लेने वाले भारतीय स्टार विजय शंकर ने चार दिन बाद ही किया वापसी का एलान

**दिल्ली।** कुछ दिन पहले संन्यास का एलान करने वाले भारतीय क्रिकेटर विजय शंकर ने चार दिन बाद ही नई टीम का दामन थाम लिया है। विजय शंकर साल 2019 में भारत की वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा थे। हालांकि, वह कई दिनों से टीम से बाहर चल रहे थे। आईपीएल-2026 में भी उन्हें किसी टीम ने नहीं खरीदा था। विजय शंकर ने 22 मई को अपने संन्यास का एलान किया था। इसके चार दिन बाद यानी 26 मई को वह लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) की टीम कैंडी रॉयल्स के साथ जुड़ गए हैं। 35 साल के विजय लंका प्रीमियर लीग में शामिल बड़े विदेशी नामों में से एक हैं। एक जून को लीग का ड्राफ्ट होना है और इससे पहले ही कैंडी ने उन्हें अपने साथ जोड़ लिया है। इस टीम में श्रीलंका के दिग्गज एंजेलो मैथ्यूज, वानिंदू हसारंगा और इंग्लैंड के मोईन अली हैं जो ड्राफ्ट से पहले मर्की ग्रुप का हिस्सा हैं।टूर्नामेंट के नियम ड्राफ्ट से पहले टीमों को दो श्रीलंकाई खिलाड़ियों के साथ-साथ दो विदेशी खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ने की इजाजत देते हैं। मोईन अली के अलावा कैंडी ने दूसरे विदेशी खिलाड़ी के तौर पर विजय शंकर को चुना है।

# गोमती नदी में डूबे युवक की मौत, बच्चे की बची जान

**● गौरी शंकर धाम पर नहाने के दौरान हादसा, दोस्त को बचाने में गई युवक की जान**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**सुल्तानपुर।** चांदा कोतवाली क्षेत्र के शाहपुर जंगल स्थित गौरी शंकर धाम पर मंगलवार दोपहर गोमती नदी में नहाने गए एक युवक की डूबने से मौत हो गई। वहीं स्थानीय गोताखोरों की सूझबूझ से नदी में डूब रहे एक बच्चे की जान बचा ली गई। घटना के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई। मृतक की पहचान इंदौली निवासी 21 वर्षीय आस मोहम्मद पुत्र हकीक अली के रूप में हुई है। वह अपने दोस्तों के साथ गौरी शंकर धाम घूमने आया था। भीषण गर्मी के चलते सभी युवक गोमती नदी में नहाने उतर गए। बताया जा रहा है कि आस मोहम्मद का एक दोस्त नदी में वीडियो बना रहा था और अचानक गहरे पानी में जाकर डूबने लगा। उसे बचाने के प्रयास में आस मोहम्मद भी गहराई में चला गया और पानी में डूब गया। घटना देख घाट पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया, जिसके बाद स्थानीय गोताखोर तुरंत नदी में कूद पड़े। काफी प्रयास के बाद गोताखोरों ने आस मोहम्मद को बाहर निकाला। इसी दौरान नदी में डूब रहे एक बच्चे को भी सुरक्षित बचा लिया गया। बच्चे की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। सूचना पर चांदा पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को एंबुलेंस से सीएचसी चांदा भेजा गया। बाद में परिजन आस मोहम्मद को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर कमैचा ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि शव के पोस्टमार्टम की बात परिजनों से कही गई थी, लेकिन उन्होंने इंकार कर दिया और शव को घर ले गए।

# सुनील दत्त की 21वीं डेथ एनिवर्सरी पर संजय दत्त का इमोशनल पोस्ट

**● वेटरन एक्टर रहे सुनील दत्त की आज 21वीं डेथ एनिवर्सरी मनाई जा रही है और इस मौके पर संजय दत्त का पोस्ट सामने आया है।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**नई दिल्ली।** सुनील दत्त हिंदी सिनेमा के वो कलाकार थे, जिन्होंने लंबे समय तक बड़े पर्दे पर राज किया था। एक दमदार अभिनेता के तौर पर फैंस के दिलों पर राज करने वाले सुनील साहब का निधन 21 साल पहले आज ही के दिन हुआ था। सुनील दत्त की डेथ एनिवर्सरी के मौके पर अभिनेता संजय दत्त ने अपने पिता को याद किया है और हर बार की तरह इस बार भी एक भावुक पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर किया है। जिसमें सुनील और संजय की कुछ अनसीन तस्वीरें शामिल हैं, आइए एक नजर संजू बाबा के इस पोस्ट पर डाली जाए।

**सुनील दत्त की डेथ एनिवर्सरी पर संजय दत्त का पोस्ट**

संजय दत्त अपने माता-पिता के बेहद करीब रहे। अक्सर देखा जाता है कि वह सोशल मीडिया पर अपने पिता सुनील दत्त और मां नरगिस को याद करते हुए नजर आते हैं। ऐसे में पता सुनील के डेथ एनिवर्सरी के मौके पर उनकी तरफ एक पोस्ट आना बनता है। 25 मई मंगलवार को संजय दत्त ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर एक लेटेस्ट पोस्ट शेयर किया है, जिसमें संजय और सुनील की कई अनसीन तस्वीरें शामिल हैं। इस ट्वीट के कैप्शन में संजय ने लिखा है- पापा, मुझे हमेशा आपकी याद आती है और मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं। आप मेरी जिंदगी का एक मजबूत सहारा थे, हैं और हमेशा रहेंगे। आप जैसा पिता पाकर मैं खुद को सम्मानित और आभारी महसूस करता हूं। इस तरह सुनील दत्त की डेथ एनिवर्सरी पर संजय ने उन्हें दिल से याद किया है। बता दें कि 25 मई 2005 को हार्ट अटैक की वजह से सुनील साहब का निधन हुआ था। एक सफल अभिनेता होने के अलावा वह कद्दावर राजनेता भी रहे थे।

**संजय दत्त की अपकमिंग मूवीज**

इसके अलावा बात की जाए संजय दत्त के वर्क फ्रंट के बारे में तो धुरंधर फ्रेंचाइजी की सफलता के बाद संजय की अपकमिंग फिल्मों की लिस्ट काफी लंबी हो गई है। जिनमें मल्टी स्टारर कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल का नाम शामिल है। इसके अलावा संजय की बहुचर्चित फिल्म खलनायक का पार्ट 2 हाल ही में अनाउंस हुआ है, जिसका निर्देशन सुभाष घई करने वाले हैं। इसके अलावा अन्य कई मूवीज में संजय की झलक देखने को मिलेगी।

# आस्था की डुबकी: गंगा दशहरा पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

**● आदि गंगा गोमती में स्नान के बाद भक्तों ने किया गोदान, अन्नदान व दीपदान**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लंभुआ, सुलतानपुर।** गंगा दशहरा पर्व पर मंगलवार को लंभुआ तहसील क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध पौराणिक तीर्थराज धोपाप धाम में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। शाहगढ़ कुटीवा के पास आदि गंगा गोमती तट पर बसे धोपाप धाम में भोर से ही स्नान, ध्यान और पूजा-अर्चना का सिलसिला शुरू हो गया। हजारों श्रद्धालुओं ने आदि गंगा गोमती में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। कई श्रद्धालु सोमवार शाम से ही धोपाप धाम पहुंच गए थे। रातभर घाट किनारे रुककर लोगों ने भजन-कीर्तन किया और सुबह के पुण्य स्नान की तैयारी में जुटे रहे। सुबह होते ही 'हर-हर गंगे' और 'जय श्रीराम' के जयकारों से पूरा घाट भक्तिमय माहौल में डूब गया। पौराणिक मान्यता के अनुसार गंगा दशहरा के दिन धोपाप धाम में स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने गऊदान, अन्नदान कर प्रभु श्रीराम-जानकी मंदिर में पूजा-अर्चना की। मेले में दूर-दराज जनपदों से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। घाटों पर पुलिस बल, सिविल ड्रेस कर्मियों और एसडीआरएफ टीम की तैनाती की गई। नदी में बैरिकेडिंग कर लोगों को गहरे पानी में जाने से रोका गया, जबकि एसडीआरएफ की टीम नाव के माध्यम से लगातार पेट्रोलिंग करती रही। उपजिलाधिकारी प्रीति जैन एवं क्षेत्राधिकारी ऋतिक कपूर ने नाव से घाटों

का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था और सुविधाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने मौके पर तैनात कर्मचारियों को सतर्क रहकर ड्यूटी करने के निर्देश दिए। वहीं क्षेत्र के समाजसेवियों और स्वयंसेवी संगठनों ने भी मेले में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह भंडारे आयोजित किए गए, जहां भोजन, शीतल जल और शरबत का वितरण किया गया। भीषण गर्मी के बीच सेवा कार्यों की श्रद्धालुओं ने सराहना की।

**सूफी बाबा के मजार पर चादर-गागर मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़**

**कोइरौना, भदोही।** जनपद के दरवासी गांव स्थित प्रसिद्ध सूफी बाबा की मजार पर मंगलवार को आयोजित चादर-गागर का मेला बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। मेले में दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने मजार पर चादर चढ़ाकर अमन-चैन एवं खुशहाली की दुआ मांगी। पूरे दिन मेले में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी रही, जिससे क्षेत्र में उत्साह और रौनक का माहौल बना रहा। मेले में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। श्रद्धालुओं ने मजार पर मत्था टेककर अपनी मनोकामनाएं मांगीं। वहीं दूसरी ओर मेले में लगी चाट, पकौड़ी, मिठाई और खिलौनों की दुकानों पर लोगों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली। बच्चों ने झूले और अन्य मनोरंजन के साधनों का भरपूर आनंद उठाया। ग्रामीण अंचल का पारंपरिक माहौल मेले में आकर्षण का केंद्र बना रहा।मेले में क्षेत्रीय लोगों के अलावा आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। देर शाम तक लोगों की आवाजाही बनी रही।